राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार, 14 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 171 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओलिंपिक टीम को पीएम का मंत्र

पीएम मोदी ने कहा- अपेक्षाओं के बोझ तले दबने की जरूरत नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों से बातचीत कर रहे हैं। पीएम मोदी मंगलवार को ओलंपिक जाने वाले 15 खिलाड़ियों से बात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि खिलाड़ी जापान में जमकर खेलें। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि अपेक्षाओं के बोझ तले दबने की जरूरत नहीं है। पीएम जिन खिलाड़ियों से बात कर रहे हैं। उनमें एमसी मैरीकॉम (मुक्केबाजी), सानिया मिर्जा (टेनिस), तीरंदाज दीपिका कुमारी और प्रवीण जाधव के अलावा भाला फेंक खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा शामिल जैसे चर्चित नाम हैं। इनके अलावा दुती चंद (एथलेटिक्स), आशीष कुमार (कुश्ती), पीवी सिंधु (बैडमिंटन), एलावेनिल वलारिवन (शूटर), सौरभ चौधरी (शूटर), शरथ कमल (टेबल टेनिस), मनिका बत्रा (टेबल टेनिस), विनेश फोगट (कुश्ती), साजन प्रकाश

(तैराकी) और मनप्रीत सिंह (हॉकी) शामिल हैं। बता दें कि 23 जुलाई से टोक्यो ओलंपिक की शुरूआत हो रही है। दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम और भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह को टोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों खिलाड़ी 23 जुलाई को होने वाले टोक्यो खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल की अगुवाई करेंगे। वहीं, बजरंग पूनिया 8 अगस्त को समापन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक की भूमिका निभाएंगे। बता दें कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, निसिथ प्रमाणिक और कानून मंत्री किरन रिजिजू भी मौजूद हैं। इसके तीन दिन बाद यानी 17 जुलाई को भारतीय एथलीटों का जत्था टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने के लिए रवाना होगा।

संक्षिप्त खबरें

पत्नी को फर्जी मार्कशीट पर लड़ाया था सरपंच का चुनाव

जयपुर। राजस्थान की एक स्थानीय अदालत ने भाजपा के विधायक अमृत लाल मीणा को सरपंच के चुनाव में अपनी पत्नी की फर्जी मार्कशीट पेश करने के मामले में जेल भेज दिया है। सारडा के पुलिस उपाधीक्षक डी एस चूंडावत ने कहा कि विधायक ने सोमवार को सारडा की अदालत में आत्मसमर्पण किया। उनकी अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई और उन्हें 23 जुलाई तक जेल भेजा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, विधायक पर आरोप है कि उन्होंने 2015 में सरपंच पद के चुनाव में अपनी पत्नी की फर्जी अंकतालिका पेश की थी। मीणा इस समय उदयपुर जिले की सलूंबर विधानसभा से विधायक हैं। अधिकारियों के अनुसार मीणा ने सेमड़ी ग्राम पंचायत में सरपंच पद के चुनाव में अपनी पत्नी के दस्तावेजों पर अभिभावक (गार्जियन) के रूप में हस्ताक्षर किए थे। यह कथित फर्जी अंकतालिका कक्षा पांच की थी। इस मामले में शांतादेवी के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया जा चुका है और वह इस समय जमानत पर हैं। चूंडावत ने कहा कि मीणा की अंतरिम जमानत याचिका उच्च न्यायालय में खारिज हो गई थी। इसके बाद मीणा ने उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। न्यायालय ने मीणा से तीन सप्ताह में सारडा की अदालत में आत्मसमर्पण करने को कहा था। इस मामले में 2015 में शांतादेवी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली शुगना देवी ने सेमड़ी थाने में मामला दर्ज करवाया था, जिसमें कहा था कि शांतादेवी ने चुनाव लड़ने के लिए नामांकन के समय फर्जी अंकतालिका पेश की। इस मामले की जांच बाद में अपराध शाखा, अपराध अन्वेषण विभाग सीबी सीआईडी को सौंपी गई, जिसने अंकतालिका को फर्जी पाया और शांतादेवी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। राज्य में भाजपा की गत सरकार ने पंचायत व स्थानीय निकाय चुनाव में शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य की थी। मौजूदा कांग्रेस सरकार ने फरवरी 2019 में दो विधेयक पारित कर राज्य में पंच, सरपंच व पार्षद पद का चुनाव लड़ने के लिए शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता को समाप्त कर दिया। विधानसभा ने राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2019 व राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2019 को ध्वनिमत से पारित किया था।

देश के कई हिस्सों में

कोविड-उपयुक्त व्यवहार का घोर उल्लंघन : सरकार

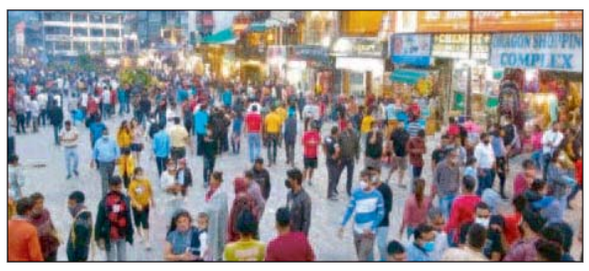

नयी दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश के कई हिस्सों में कोविड-उपयुक्त व्यवहार का घोर उल्लंघन देखा जा रहा है जो इसे काबू में करने के लिए अब तक की मेहनत पर पानी फेर सकता है। देश में महामारी की स्थिति पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि लोग तीसरी लहर के बारे में मौसम अद्यतन के रूप में बात करते हैं, लेकिन यह समझने में विफल रहते हैं कि कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन या इसकी कमी ही भविष्य की लहरों को रोकेगी या पैदा करेगी। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वी के पॉल ने कहा कि विश्व स्तर पर, कोविड-19 की तीसरी लहर देखी जा रही है और

लोगों से यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने का आह्वान किया जाता है कि यह भारत में न हो। अग्रवाल ने कहा कि जुलाई में अब तक दर्ज किए गए कोविड-19 के नए मामलों में से लगभग 73.4 प्रतिशत केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा से थे। उन्होंने कहा कि देश के 55 जिलों में 13 जुलाई को समाप्त सप्ताह के लिए कोविड-19 संक्रमण की दर 10 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि कोविड-19 प्रबंधन में मदद करने के लिए महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, असम, मेघालय, ओडिशा, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड और त्रिपुरा में केंद्रीय टीमों को तैनात किया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार भारत में एक दिन में संक्रमण से मौत के 2,020 मामले सामने आए और मृतक संख्या बढ़कर 4,10,784 हो गई। वहीं, देश में 31,443 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 3,09,05,819 हो गई।

फिर बिगड़ी राम रहीम की तबीयत, इस बार सीधे दिल्ली एम्स किया गया रेफर

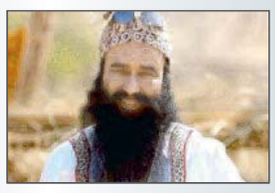

रोहतक। साध्वी यौन शोषण के मामले में 20 साल की सजा काट रहे डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की तबीयत मंगलवार को एक बार फिर बिगड़ गई। जेल प्रशासन की ओर से मंगलवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे गुरमीत राम रहीम को दिल्ली के एम्स अस्पताल में ले जा गया। दोपहर को उसकी एमआरआई करवाई गई। जिला पुलिस की विशेष टीम भी डीएसपी शमशेर के नेतृत्व में साथ गई है। राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों के यौन शोषण के मामले में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने 20 साल की सजा सुनाई थी। उस दिन पंचकूला में हिंसा भी हुई थी। सुरक्षा के चलते प्रदेश सरकार ने राम रहीम को रोहतक की सुनारिया जेल में हेलीकॉप्टर से भेजा था। तभी से राम रहीम जिला जेल में बंद है। इससे पहले जून माह में राम रहीम की तबीयत बिगड़ गई थी। पीजीआई के डॉक्टरों के विशेष पैनल से उसकी जांच करवाई गई। जांच के बाद वापस सुनारिया जेल भेज दिया गया। 6 जून को दोबारा राम रहीम की तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उसे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां कोरोना की जांच करवाई गई। जांच में वह पॉजिटिव पाया गया। हालांकि एक दिन बाद ही रिपोर्ट निगेटिव आ गई। तीन-चार दिन मेदांता में दाखिल रहने के बाद उसको सुनारिया जेल लाया गया था।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से दिल्ली में

प्रशांत किशोर ने की मुलाकात, अटकलें तेज

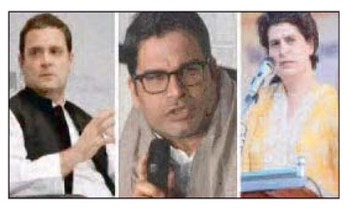

नई दिल्ली। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मीटिंग की। प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी के दिल्ली स्थित आवास पर जाकर मुलाकात की। इस मीटिंग के दौरान प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। उनकी इस मुलाकात के बाद से ही राजनीतिक अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। बता दें कि पंजाब कांग्रेस की चुनावी रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी पहले ही प्रशांत किशोर के पास है। ऐसे में प्रशांत किशोर की मुलाकात को अब उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के अगले साल होने वाले चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। कुछ दिनों पहले ही प्रशांत किशोर ने एनसीपी के मुखिया शरद पवार से मुलाकात की थी। ऐसे में इस बात के कयास भी लग रहे हैं कि शायद राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी के विकल्प के लिए मोर्चा तैयार करने के मकसद से यह मुलाकात हुई है। 21 जून को प्रशांक किशोर और शरद पवार की मुलाकात हुई

थी। दोनों नेताओं के बीच 15 दिनों में यह दूसरी मुलाकात थी। इस मीटिंग को भी बीजेपी के खिलाफ 2024 में तीसरे मोर्चे के तौर पर एक विकल्प देने की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा था। हालांकि प्रशांत किशोर और शरद पवार ने इस मीटिंग को लेकर खुलकर कुछ भी नहीं कहा था। प्रशांत किशोर और शरद पवार के बीच 21 जून को करीब डेढ़ घंटे तक मुलाकात चली थी। इससे पहले 11 जून को दोनों की मुंबई मुलाकात हुई थी, जो करीब तीन घंटे तक चली थी। गौरतलब है कि प्रशांत किशोर ने हाल ही में पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान टीएमसी के लिए सोशल मीडिया पर रणनीति तैयार करने का जिम्मा संभाला था।

विकास दुबे की तीन बीघा जमीन पर फिर दबंगों का कब्जा

कानपुर। एनकाउंटर में मारे गए बिकरू कांड के मुख्य आरोपित विकास दुबे की जमीन पर दबंगों ने फिर कब्जा कर लिया है। इससे पहले दो बार जमीन मुक्त कराई जा चुकी है। विकास के भतीजे विपिन ने वकील अनुराग शुक्ला के साथ एसडीएम बिल्हौर से शिकायत की। आरोप है कि 2016 में सकरवां गांव के शशिकांत द्विवेदी से विकास ने 13.5 बीघा जमीन का बैनामा कराया था। तबसे विकास बटाईदारों से खेती करा रहा था। उसके एनकाउंटर के बाद गांव के अमित बाजपेई व उसका पिता अशोक दबंगई दिखाकर बटाईदारों को जमीन नहीं जोतने दे रहे हैं। 11 जून को नदिहा चौकी प्रभारी ने गांव जाकर प्रधान

के सामने ऋचा दुबे को पूरी जमीन पर कब्जा दिलवा दिया था। एसडीएम बिल्हौर आकांक्षा गौतम ने यथास्थिति का आदेश कर पुलिस व राजस्व टीम द्वारा ऋचा को जमीन पर कब्जा दिलाने की रिपोर्ट भी जिले के अधिकारियों को भेज दी थी। इसके बावजूद 9 जुलाई को अमित व अशोक ने दबंगई के बल पर फिर तीन बीघा जमीन जोत ली। एसडीएम के मुताबिक एसओ ककवन व राजस्व टीम को मौके पर भेजकर तीन बीघा जमीन का कब्जा वापस दिलाकर दूसरे पक्ष पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम से शिकायत करने गया विपिन बिकरू कांड में आरोपित प्रवीण दुबे का बड़ा भाई है। बीते 9 जुलाई को प्रवीण इटावा में पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। विपिन का कहना है वह पुलिस-प्रशासन के सहयोग से जमीन पर कब्जा वापस चाहता है।

मोदी सरकार में मंत्री पद पर महाराष्ट्र भाजपा में रार

पंकजा मुंडे बोलीं: सिद्धांतों के लिए धर्मयुद्ध का सही वक्त नहीं

मुम्बई। छोटी बहन प्रीतम मुंडे को मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद में जगह न मिल पाने पर मराठा नेता और उनकी बड़ी बहन पंकजा मुंडे ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। पंकजा मुंडे ने यह स्वीकार किया कि वह प्रीतम को कैबिनेट में जगह न मिल पाने से नाराज हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सिद्धांतों के लिए धर्मयुद्ध का सही समय नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका फैसला सही समय पर लिया जाएगा। मुंडे ने यह तो स्वीकार किया कि वह पार्टी के फैसले से नाराज हैं, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व पर भरोसा भी जाहिर किया। उन्होंने बहन के मंत्री न बन पाने का ठीकरा सीधे तौर पर राज्य की लीडरशिप पर फोड़ा। दरअसल बीजेपी की ओर से राज्यसभा सांसद भागवत कराड को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है, जबकि बीड़ लोकसभा सीट से सांसद प्रीतम मुंडे भी इसके लिए दावेदार मानी जा रही थीं। प्रीतम मुंडे को जगह न मिल पाने के बाद से उनके समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। खासतौर पर वंजारी समुदाय से जुड़े उनके समर्थकों में गुस्सा है। राज्य के पूर्व दिग्गज भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटियों पंकजा और प्रीतम मुंडे को ओबीसी चेहरों के तौर पर देखा जाता रहा है। लेकिन अब उनकी

जगह पर कराड को मंत्री बनाकर पार्टी ने नई लीडरशिप पैदा करने का संकेत दिया है। मुंडे परिवार के खाते में मंत्री पद न आने के बाद बीड़ जिले के 75 बीजेपी कार्यकर्ताओं ने नगर निकाय से लेकर सहकारी संस्थाओं तक से इस्तीफा देने की पेशकश भी की है। इन कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंत्री न बनाकर मुंडे परिवार के साथ अन्याय किया गया है। मंगलवार को पंकजा मुंडे के वर्ली स्थित दफ्तर के बाहर जुटे उनके समर्थकों ने पार्टी के निर्णय के खिलाफ प्रदर्शन करने की बात कही।

हालांकि समर्थकों को संबोधित करते हुए पंकजा मुंडे ने कहा कि वह भी पार्टी के फैसले से नाखुश हैं और उनके त्याग और कठिन मेहनत को पार्टी ने नजरअंदाज किया है। लेकिन इसके बाद भी यह पार्टी को छोड़ने का समय नहीं है। इसके साथ ही पंकजा मुंडे ने कहा कि पार्टी के भीतर ही कुछ ऐसे लोग हैं, जिनकी मंशा खराब है और अकसर विवाद पैदा करते हैं। पंकजा मुंडे ने बिना किसी का नाम लिए ही पार्टी की स्टेट लीडरशिप पर निशाना साधा। पंकजा मुंडे ने कहा, 'समय ही हर चीज का समाधान है। यह कोई भी अतिवादी फैसला लेने का वक्त नहीं है। आखिर हम अपने ही घर को क्यों छोड़ें, जिसे हमने बहुत ही मेहनत के साथ तैयार किया है।' पार्टी में अपने विरोधियों पर हमला बोलते हुए पंकजा ने कहा कि मुझे इसलिए किनारे लगा दिया गया है क्योंकि मैंने कहा था कि मेरा नाम लोगों के दिमाग में चीफ मिनिस्टर के तौर पर था। लेकिन उनके बारे में क्या कहेंगे, जो पीएम का सपना देखते हैं।

वैचारिक विस्तार: राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले

12.70 करोड़ परिवारों से संपर्क करेगा संघ

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए देश के लगभग 12.70 करोड़ परिवारों ने आर्थिक योगदान दिया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) का मानना है कि राम मंदिर निर्माण के लिए एक भी रुपए का योगदान देने वाला परिवार या व्यक्ति किसी न किसी रूप में हिंदुत्व की विचारधारा से प्रभावित है। इसीलिए संघ इन परिवारों और लोगों के बीच अपने वैचारिक विस्तार की संभावनाएं देख रहा है। जल्दी ही संघ एक अभियान चलाकर इन परिवारों से संपर्क कर उन्हें किसी न किसी रूप में अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगा। संघ की चित्रकूट बैठक में इसकी रूपरेखा बना ली गई है। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने अमर उजाला से कहा कि संघ यह मानकर चल रहा है कि राम मंदिर निर्माण के लिए योगदान देने वाला हर व्यक्ति हिंदुत्व की विचारधारा से सहमत है। संघ का मानना है कि राम मंदिर के लिए चंदा देने वाले परिवार की हिंदुत्व की परिकल्पना संघ की हिंदुत्व की परिकल्पना से थोड़ी भिन्न अवश्य हो सकती है, लेकिन उसमें वैचारिक समानता जरूर खोजी जा सकती है। इस वैचारिक साम्यता को एक स्वरूप प्रदान करते हुए संघ इन परिवारों को अपने साथ जोड़ने के लिए काम करेगा। संघ के नेता के मुताबिक, आरएसएस हिंदुत्व की ऐसी कोई

परिकल्पना नहीं रखता है, जिसमें समाज का कोई वर्ग अपने आप को जोड़ न सके। इसमें समाज के सभी वर्गों की अपनी मूल विशेषताओं का पालन करते रहते हुए संघ की विचारधारा से जुड़ने की संभावनाएं मौजूद हैं। संघ इन वर्गों की विशेषताओं को उचित सम्मान देते हुए अपने साथ जोड़ने की रणनीति पर काम कर रहा है। आरएसएस नेता के मुताबिक, संघ मानता है कि देश की अखंडता के लिए समाज के सभी वर्गों को आपस में जोड़ने वाला एक तंत्र होना चाहिए तभी देश को अखंड रखा जा सकता है। उसे लग रहा है कि हिंदुत्व इसी तंत्र का काम कर सकता है। लेकिन इसके लिए हिंदुत्व की ऐसी विचारधारा से सबको जोड़ना होगा जिसमें समाज के सभी वर्ग अपनी मूल सोच को सम्मान देते हुए भी अपने आपको जोड़ सकें। संघ इसी दृष्टि पर काम कर रहा है। अगर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बार-बार मुस्लिम समुदाय को हिंदुत्व से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं तो इसके पीछे मंतव्य यही है कि वे (मुस्लिम) अपने आपको इस संस्कृति के मूल के साथ जोड़ सकें, जिससे देश की अखंडता सुरक्षित रखी जा सके। इसमें मुस्लिमों के साथ-साथ समाज के अन्य वर्ग भी शामिल हैं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने अमर उजाला को बताया कि 3 अप्रैल 2021 तक अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण के लिए लगभग 3500 करोड़ की समर्पण निधि (चंदा) एकत्र हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हादसों से सबक

कुछ राज्यों को तरसा रहा मानसून कुछ राज्यों में कहर बरपा रहा है। पहाड़ों में बादल फट रहे हैं, तो उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में बिजली और बिहार में पहले से ही बाढ़ से अनेक इलाके तबाह हो रहे हैं। सबसे दुखद आकाशीय बिजली का कहर है। देश भर में अलग-अलग राज्यों में अनेक लोग आकाशीय बिजली से अपनी जान गंवा चुके हैं। राजस्थान में 11 जुलाई तक 23 लोगों की आकाशीय बिजली से मौत हो चुकी है। वहीं इससे घायल होने वालों की संख्या 25 है। राजस्थान के जयपुर, झालावाड़ और धौलपुर जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में सात बच्चों सहित कई लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर, कौशांबी और फिरोजाबाद में भी बिजली गिरने से मौतें हुई हैं। मध्य प्रदेश में भी बिजली गिरने से सात लोगों की जान चली गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष' से दो-दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये मुआवजे की घोषणा की है। उधर, धर्मशाला के भागसू नाग में बादल फटने से भारी तबाही मची है। कई घरों और होटलों को नुकसान पहुंचा है। कई पर्यटकों और स्थानीय लोगों की गाड़ियां भी पानी के तेज बहाव में बह गई हैं। बहरहाल, मानसून ने हर तरह से लोगों को चेता दिया है। बादल का फटना और आकाशीय बिजली का गिरना वैसे तो प्राकृतिक घटना है, लेकिन क्या हम इससे होने वाले नुकसान को कम करने के पूरे प्रयास कर सकते हैं? मानसून के मौसम में पर्यटन का अपना आनंद है, लेकिन आम तौर पर इस मौसम में अपने घर ही रहने का चलन ज्यादा रहा है। खराब मौसम के समय पर्यटन स्थलों पर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। राजस्थान के आमेर में जो आकाशीय बिजली गिरी है और उससे जो नुकसान हुआ है, उससे बचा जा सकता था। आगे के लिए सबक लेना जरूरी है। ऐसे मौसम में चिंता वाजिब है। इन दिनों धर्मशाला में पर्यटकों का जमावड़ा लगा हुआ है और इस बीच हादसों ने चिंता को बहुत बढ़ा दिया है। बीते दिनों ऐसी कई तस्वीरें आई थीं, जिनमें धर्मशाला, शिमला, मनाली और उत्तराखंड के मसूरी समेत कई पर्यटन स्थलों पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। जहां राज्य सरकारों को भीड़ का यथोचित प्रबंधन करना चाहिए, वहीं लोगों को भी इस मौसम में अतिरिक्त सावधान रहना चाहिए। आकाशीय बिजली के गिरने, बादल फटने और बाढ़ का क्या हम प्रबंधन कर सकते हैं? क्या इनकी वजहों से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं? हर बार जलवायु परिवर्तन की चर्चा होती है, लेकिन क्या जमीनी स्तर पर इस खतरे को समझने और संभालने के नियोजित प्रयास हो रहे हैं? क्या लोग दूरगामी खतरों या तात्कालिक खतरों को ठीक से समझ पा रहे हैं? भेड़चाल और प्राकृतिक संसाधनों का जरूरत से ज्यादा अनियंत्रित दोहन हमारे लिए समस्याएं बढ़ाता जा रहा है। आगामी मौसम संबंधी भविष्यवाणियों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जहां-जहां भारी बारिश के अनुमान हैं, वहां विशेष रूप से आपदा प्रबंधन के पूरे इंतजाम करने पड़ेंगे। उन इलाकों में मौजूद पर्यटन और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर निगरानी बढ़ाने की जरूरत है। आम लोगों तक विशेषज्ञ सलाह पहुंचाना भी समय की मांग है।

'आज के ट्वीट

नासा

नासा ने भारतीय मूल की इंटर्न प्रतिमा राय की हिंदू देवी-देवताओं के साथ की तस्वीर साझा किया है भारतीय संस्कृति और संस्कारों को सम्मान देने के लिए नासा का हृदय से आभार दुनिया भारत के अध्यात्म और सनातन विज्ञान को पूज रही है हमें गर्व करना चाहिए लेकिन वामपंथी इस पर भी नाराज़ है

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

चातुर्मास संस्कृति एक अमूल्य धरोहर है

- ललित गर्ग

वर्षा ऋतु के चार महीने व्रत, भक्ति एवं धर्माराधना के लिये निर्धारित है, जिसे 'चातुर्मास' कहा जाता है। भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में चातुर्मास का विशेष महत्व है। हमारे यहां मुख्य रूप से तीन ऋतुएँ होती हैं- ग्रीष्म, वर्षा और शरद। वर्ष के बारह महीनों को इनमें बॉट दें, तो प्रत्येक ऋतु चार-चार महीने की हो जाती है। वर्षाकालीन ये चार माह की अवधि साधना-काल एवं आध्यात्मिक प्रशिक्षण का अवसर होता है। एक ही स्थान पर रहकर साधना की जाती है। चातुर्मास में ज्ञानी मुनिजनों के मुख से शास्त्र-वाणी का श्रवण करने से भौतिकता के साथ-साथ आध्यात्मिक का भाव पुष्ट होता है। त्याग-प्रत्याख्यान में वृद्धि होती है। कर्म निर्जरा के लिए पराक्रम के प्रस्फोट की प्रेरणा मिलती है। गांव और घर-घर में तप आराधना का ज्वार-सा आ जाता है। जो न केवल जीवन की दिशाओं को ही नहीं बदलता बल्कि जीवन का ही सर्वांगीण रूपान्तरण भी कर देता है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह-अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम् का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है। यो तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है। यह अवधि चरित्र निर्माण की चैकसी का आह्वान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग में आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज एवं धर्म में आस्थाशील व्यक्ति भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। चातुर्मास शुभारंभ पर सम्पूर्ण देश में जगह-जगह आध्यात्मिक कार्यक्रमों की गरिमापूर्ण प्रस्तुति देखने को मिलती है। इस दिन से तप की गंगा प्रवहमान हो जाती है। जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। वे कर्म संस्कारों के रूप में चेतना पर परत-दर-परत जमी राख को भी हवा देते हैं। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है। संत धरती के कल्पवृक्ष होते हैं। संस्कृति के प्रतीक, परम्परा के संवाहक, जीवन कला के मर्मज्ञ और ज्ञान के रत्नदीप होते हैं। उनके सामीप्य में संस्कृति, परम्परा, इतिहास, धर्म और दर्शन का व्यवस्थित प्रशिक्षण लिया जा सकता है। उनका उपदेश किसी की ज्ञान चेतना को जगाता है तो किसी की विवेक चेतना को विकसित करता है। किसी को आत्महित में प्रवृत्त करता है तो किसी को चित्तगत संक्लेशों से निवृत्त करता है। ठीक इसी तरह श्रावक भी संवदेनाओं एवं करुणाशीलता के फैलाव के लिये जागरूक बनते हैं। यह इस अवधि और इसकी साधना का ही प्रभाव है कि श्रावक की संवेदनशीलता इतनी गहरी और पवित्र हो जाती है कि वह अपने सुख की खोज में किसी को सुख से वंचित नहीं करता। किसी के प्रति अन्याय, अनीति और अत्याचार नहीं होने देता। यहां तक की वह हरे-भरे वृक्षों को भी नहीं काटता और पर्यावरण को दूषित करने से भी वह बचता है। चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ-साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए है। यह अवधि जिसमें कुछ व्यक्ति सामूहिक रूप से ध्यान, साधना, तपोयोग या मंत्र अनुष्ठान करना चाहें, उनके लिये उपहार की भांति है। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु-साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। बाहर-भीतर के वातावरण को शांति से भर दे। जो स्वयं शांत रस में सराबोर रहता है तथा औरों के लिए सदा शांति का अमृत छलकाता रहता है। एक तरह से अध्यात्म एवं पवित्र गुणों से किसी क्षेत्र और उसके लोगों को अभिस्नात करने के लिये चातुर्मास एक स्वर्णिम अवसर है। वर्षावास जैन परम्परा में साधना का विशेष अवसर माना जाता है। इसलिए इस काल में वे आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके अध्यात्म प्रवचन ज्ञान के स्रोत तथा जीवन के मंत्र सूत्र बन जाते हैं। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। आज की भौतिक सुखवादिता एवं सुविधावादी दृष्टिकोण ने जहां प्राकृतिक क्षेत्र में प्रदूषण फैलाया है उससे कहीं ज्यादा मन के गलत विचारों ने मानवीय संवेदना को प्रदूषित किया है। इन जटिल से जटिल होने हालातों को बदलने के लिये और जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म-निरीक्षण का अनुष्ठान है। यह महत्वाकांक्षाओं को थामता है। इन्द्रियों की आसक्ति को विवेक द्वारा समेटता है। मन की सतह पर जमी राग-द्वेष की दूषित परतों को उघाड़ता है। करणीय और अकरणीय का ज्ञान देता है तभी जीवन की दिशायें बदलती है।

ज्ञान गंगा

परमात्मा का कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक औरत रोटी बनाते बनाते मंत्र जाप कर रही थी, अलग से पूजा का समय कहां निकाल पाती थी बेचारी, तो बस काम करते-करते ही एकाएक धड़ाम से जोरों की आवाज हुई और साथ में दर्दनाक चीख। कलेजा धक से रह गया, जब आंगन में दौड़ कर झांकी तो आठ साल का चुन्नू चित्त पड़ा था, खून से लथपथ। मन हुआ दहाड़ मार कर रोये। परंतु घर मे उसके अलावा कोई था नहीं, रोकर भी किसे बुलाती, फिर चुन्नू को संभालना भी तो था। दौड़ कर नीचे गई तो देखा चुन्नू आधी बेहोशी में मां-मां की रट लगाए हुए है। अंदर की ममता ने आंखों से निकल कर अपनी मौजूदगी का अहसास करवाया। फिर 10 दिन पहले करवाए अपेंडिक्स के ऑपरेशन के बावजूद ना जाने कहां से इतनी शक्ति आ गई कि चुन्नू को गोद मे उठा कर पड़ोस के नर्सिंग होम की ओर दौड़ी। रास्ते भर भगवान को जी भर कर कोसती रही। खैर डॉक्टर साहब मिल गए और समय पर इलाज होने पर चुन्नू बिल्कुल ठीक हो गया। चोटें गहरी नहीं थी, ऊपरी थीं तो कोई खास परेशानी नहीं हुई। रात को घर पर जब सब टीवी देख रहे थे तब उस औरत का मन बेचैन था। भगवान से विरक्ति होने लगी थी। एक मां की ममता प्रभुसत्ता को चुनौती दे रही थी। उसके दिमाग मे दिन की सारी घटना चलचित्र की तरह चलने लगी। कैसे चुन्नू आंगन में गिरा की एकाएक उसकी आत्मा सिहर उठी, कल ही तो पुराने चापाकल का पाइप का टुकड़ा आंगन से हटवाया है, ठीक उसी जगह था जहां चिंटू गिरा पड़ा था। अगर कल मिस्त्री न आया होता तो..? उसका हाथ अब अपने पेट की तरफ गया जहां टांके अभी हरे ही थे, ऑपरेशन के। आश्चर्य हुआ कि उसने 20-22 किलो के चुन्नू को उठाया कैसे, कैसे वो आधा किलोमीटर तक दौड़ती चली गई? वैसे तो वो कपड़ों की बाल्टी तक छत पर नहीं ले जा पाती। फिर उसे ख्याल आया कि डॉक्टर साहब तो 2 बजे तक ही रहते हैं और जब वो पहुंची तो साढ़े 3 बज रहे थे, उसके जाते ही तुरंत इलाज हुआ, मानो किसी ने उन्हें रोक रखा था। उसका सर प्रभु चरणों मे श्रद्धा से झुक गया। अब वो सारा खेल समझ चुकी थी। मन ही मन प्रभु से अपने शब्दों के लिए क्षमा मांगी। भगवान कहते हैं, 'मैं तुम्हारे आने वाले संकट रोक नहीं सकता, लेकिन तुम्हें इतनी शक्ति दे सकता हूं कि तुम आसानी से उन्हें पार कर सको, तुम्हारी राह आसान कर सकता हूं। बस धर्म के मार्ग पर चलते रहो।'

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

भारी पड़ेगी प्रकृति को न समझने की भूल

(लेखिका - डॉ. वंदना सेन)

जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुए, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा? अभी बारिश का मौसम आ चुका है। इस मौसम में देश के अनेक हिस्सों से कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा पड़ने के समाचार मिलते हैं। इतना ही नहीं देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधारोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा। वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़ पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाश कारी होगा, कल्पना कर सकते हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है, लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़ पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। जबकि सच यह है कि शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही है। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधों को पेड़ बनाने की दिशा में हम भी सोच सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए हम कपड़े के थैले का उपयोग कर सकते हैं। अभी ज्यादा संकट नहीं आया है, इसलिए क्यों नहीं हम आज से ही एक अच्छे नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करें। क्योंकि दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है। पिछले एक साल से कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाएं हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है। इसी कारण कहा जा सकता है कि जो व्यक्ति प्रकृति के अनुसार जीवन यापन नहीं करता, उसका प्रकृति कभी साथ नहीं देती। हमें घटनाओं के माध्यम से जो संदेश मिलता है, उसे जीवन का अहम हिस्सा बनाना होगा, तभी हम कह सकते हैं कि हमारा जीवन प्राकृतिक है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दो दशक में 15,000 अरब डॉलर की होगी भारतीय अर्थव्यवस्थाः अडानी

बिजनेस डेस्क: अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक बेहतर चक्र की शुरुआत में है और अगले दो दशक में यह 15,000 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। महामारी से पहले भारतीय अर्थव्यवस्था 2,890 अरब डॉलर थी। महामारी की वजह से कुल अर्थव्यवस्था को सात प्रतिशत से अधिक का नुकसान हुआ है। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत अडानी समूह के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए अडानी ने कहा कि भारत के अगले चार साल में 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने को लेकर सवाल उठाए जाते हैं। मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि भारत इसे हासिल कर लेगा। समूह के चेयरमैन अडानी (59) ने कहा कि भारत 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। उसके बाद अगले दो दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था 15,000 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि उपभोग तथा बाजार पूंजीकरण के आधार पर भारत दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से होगा। उन्होंने कहा कि इतिहास ने दिखाया है कि प्रत्येक महामारी संकट से सबक सीखने को मिलते हैं। भारत और दुनिया कोविड-19 संकट के बीच अधिक समझ दिखा रहे हैं।

चीन ने भारतीय कार फोर्ड ईकोस्पोर्ट का बनाया हूबहू क्लोन

-ड्रैगन कारों के डिजाइन को कर रहा कॉपी

नई दिल्ली। कारों को लेकर चीन की एक काली करतूत सामने आई है। वह कारों के डिजाइन को कॉपी करने लिए पहले ही कगाफी बदनाम है। इसी बीच चीनी वाहन निर्माता ने एक बार फिर भारतीय कार की हुबहू नकल उतार ली है। चीन इससे पहले भी कभी इंस्पीरेशन के नाम पर कारों के डिजाइन को कॉपी कर लेता है तो कभी स्टाइल के नाम पर। लेकिन इस बार तो उसने भारतीय कार का क्लोन को तैयार कर दिया है। दरअसल, एक चीनी कंपनी ने मशहूर एसयूवी फोर्ड ईकोस्पोर्ट को हूबहू इलेक्ट्रिक कार बना कर पेश किया है। इसे देख कर एक बार आप भी कंफ्यूज हो सकते हैं। चीन कंपनी बीवाईडी ने फोर्ड ईकोस्पोर्ट के क्लोन को इलेक्ट्रिक कार के रूप में पेश किया है। कंपनी ने इसका नाम योन प्रो ईवी रखा है। यह ऑल इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी पूरी तरह से फोर्ड के पॉपुलर एसयूवी ईकोस्पोर्ट की तरह दिखती है। यहां तक कि अगर इस कार को आप साइड से देखें तो दोनों में अंतर बनाता मुश्किल है। गौरतलब है कि इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को मिड सेग्मेंट के ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। कंपनी ने योन प्रो ईवी को 'ड्रैगन फेस 3.0' डिज़ाइन लैंग्वेज की तरह तैयार किया है। हालांकि आप इसे देखकर फोर्ड ईकोस्पोर्ट समझने की भूल कर सकते हैं। इसमें कुछ छोटे मोटे कॉस्मेटिक बदलाव के अलावा यह एसयूवी पूरी तरह से ईकोस्पोर्टकी तरह है। यहां तक की बैक में बूट डोर पर लगे स्पेयर व्हील की पोजीशन भी ईकोस्पोर्ट से प्रेरित लगती है। कार का फ्रंट डिजाइन अलग है और इस इलेक्ट्रिक व्हीकल में स्लीकर हेडलैम्प्स के साथ क्लोज्ड ऑफ ग्रिल, टेल लैंप्स और स्मूथ कैरेक्टर लाइन्स के साथ खुद को अलग भी बनाती है। ये कार एक किफायती कार है लेकिन युआन प्रो अपने इंटीरियर के मामले में किफायती कार नहीं है। इसका इंटीरियर ईकोस्पोर्ट से काफी अलग है। इसके साथ अपोहल्स्ट्री के लिए हल्के रंग हैं, जो इसे एक अपमार्केट फील देता है। इस कंपनी ने युआन प्रो ईवी के तीन वेरिएंट्स को उतारा है जिसमें बेस वेरिएंट को 38.9केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ उतारा गया है जो 301 किमी की रेंज दे सकती है। अन्य दो वेरिएंट की अगर बात करें तो इसमें 50.1 केडब्ल्यूएच की बड़ी बैटरी दी गई है जो 401 किलोमीटर का रेंज प्रदान करता है। यह कार इलेक्ट्रिक मोटर से इक्विप्ड है जो 136एचपी की पावर और 210एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। युआन प्रो में मल्टीफंक्शन फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील भी दिया गया है। इसके साथ सेफ्टी फीचर्स की अगर बात करें तो इसके टॉप-स्पेक ट्रिम्स में एबीडी, ईबीडी, ईबीए, टीसीएस, ईएसपी, आदि जैसे सुरक्षा सुविधाएं दी गई हैं। बता दें चीन में बेचा जा रहा बीवाईडी युआन प्रो भारत में बेचे जाने वाले सब-फोर-मीटर फोर्ड ईकोस्पोर्ट की तुलना में 4.37 मीटर लंबा है। युआन प्रो ईवी की कीमत 79,800 युआन से शुरू है जो 99,800 युआन (लगभग 11.47 लाख रुपये) तक जाती है।

भूटान में लॉन्च हुआ BHIM एप, पर्यटकों और कारोबारियों को होगा फायदा

बिजनेस डेस्क: भारत में डिजिटल ट्रांजेक्शन की नींव कहे जाने वाले **BHIM app** ने अब भारत से बाहर भी अपने कदम बढ़ा लिए हैं। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का भीम एप अब नेपाल में भी प्रयोग किया जा सकेगा। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानि यूपीआई एप को भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भूटान के वित्त मंत्री ल्यिन्पो नामगे शेरिंग ने एक वर्चुअल सेरेमनी में लॉन्च किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भीम यूपीआई हमारे द्वारा किए गए बहुत अच्छे सफल प्रयोगों में से एक है।

पर्यटकों को होगा फायदा

सीतारमण ने कहा कि भीम यूपीआई लॉन्च करने के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। भीम एप के भूटान में लॉन्च होने से भारतीय पर्यटकों को कैशलेस ट्रांजैक्शन में आसानी होगी। इसके साथ ही भारतीय कारोबार को भी फायदा होगा। मालूम हो कि यह भारत का दूसरा पेमेंट गेटवे है, जिसे भूटान में लॉन्च किया जा रहा है। इससे पहले रुपे कार्ड भूटान में लॉन्च किया गया था।

NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल), नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय शाखा ने भूटान में भीम यूपीआई क्यूआर-आधारित भुगतानों को सक्षम और कार्यान्वित करने के लिए भूटान के रॉयल मॉनेटरी अथॉरिटी (आरएमए) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। 2020-21 में भीम यूपीआई ने 41 लाख करोड़ रुपए के 22 अरब लेनदेन को संसाधित किया है। पांच वर्षों में 1000 लाख से अधिक यूपीआई क्यूआर बनाए गए हैं। इसलिए निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह भारत का गौरवपूर्ण उत्पाद है जिसे हम आज भूटान के साथ साझा कर रहे हैं। मालूम हो कि साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूटान यात्रा के दौरान रुपे कार्ड को लॉन्च किया गया था। रुपे वीजा या मास्टर कार्ड की तरह एक इंडियन पेमेंट गेटवे है। मौजूदा समय में यह यूएई, सिंगापुर, मालदीव्स और सऊदी अरब जैसे कई देशों में उपलब्ध है।

एनटीपीसी आरईएल लद्दाख में देश की पहली हरित हाइड्रोजन परिवहन परियोजना स्थापित करेगी

नई दिल्लीः सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने मंगलवार को कहा कि उसकी सहायक इकाई एनटीपीसी आरईएल लद्दाख में देश की पहली हरित हाइड्रोजन परिवहन परियोजना की स्थापना करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''एनटीपीसी आरईएल ने लद्दाख संघ शासित प्रदेश के साथ क्षेत्र में देश की पहली हरित हाइड्रोजन परिवहन परियोजना की स्थापना के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।'' एनटीपीसी आरईएल, एनटीपीसी की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली सहायक इकाई है। बयान के मुताबिक एमओयू पर हस्ताक्षर के मौके पर लेह में सोलर ट्री एवं सोलर कार पोर्ट के रूप में एनटीपीसी की पहली सौर स्थापना का उद्घाटन भी किया गया। शुरुआत में एनटीपीसी ने इस क्षेत्र मे पांच हाइड्रोजन बसें चलाने की योजना बनाई है।

मुंबई के पास वाणिज्यिक परियोजना में 700 करोड़ रुपए निवेश करेगा हीरानंदानी ग्रुप

मंबईः रियल एस्टेट कंपनी हीरानंदानी ग्रुप मुंबई के पास ठाणे में 20 लाख वर्ग फुट के कार्यालय भवन के विकास पर 700 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। कंपनी का इरादा अपने वाणिज्यिक रियल एस्टेट पोर्टफोलियो का विस्तार करने का है। कंपनी पहले ही 300 करोड़ रुपए की लागत से छह लाख वर्ग फुट के टावर 'क्वान्टम' का निर्माण पूरा कर चुकी है। कंपनी ने इसको पट्टे पर देने की प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी ने बयान में कहा कि वह ठाणे में घोड़बंदर रोड के पास अपनी टाउनशिप हीरानंदानी एस्टेट में कुल 26 लाख वर्ग फुट में हीरानंदानी बिजनेस पार्क का विकास कर रही है। कंपनी ने कहा कि दो लाख वर्ग फुट के सेंटोरस टावर का निर्माण चल रहा है। यह दिसंबर, 2022 तक पूरा होगा। इसपर 700 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। हीरानंदानी ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक निरंजन हीरानंदानी ने कहा, समूह का पहले का बेहतर 'रिकॉर्ड' रहा है। हम ठाणे में 35 लाख वर्ग फुट के वाणिज्यिक स्थल की आपूर्ति कर चुके हैं।

मॉनसून की बिगड़ी चाल का खेती पर असर, बढ़ सकती है महंगाई

(एजेंसी) (नरेश अरोड़ा)।

मॉनसून के देश में जल्दी प्रवेश करने के बाद सुस्त होने के कारण खरीफ की बुआई पर इसका असर पड़ा है। अभी भी करीब 10 प्रतिशत पिछड़ी हुई है। 9 जुलाई के आंकड़ों के मुताबिक देश में अभी तक 499.87 लाख हैक्टेयर रकबे में खरीफ की बुआई हुई है जबकि पिछले साल इसी अवधि में 558.11 लाख हैक्टेयर रकबे में खरीफ की बुआई हुई थी। देश में सामान्य तौर पर खरीफ के सीजन में 1073 लाख हैक्टेयर में बुआई होती है और इस लिहाज से अभी बुआई का काम करीब 50 प्रतिशत ही पूरा हुआ है लेकिन इस 50 प्रतिशत बुआई में भी 10 फीसदी तक की कमी होने से इसका असर उत्पादन पर पड़ सकता है जिससे महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि यदि बुआई के आंकड़ों की तुलना 2 सप्ताह पहले के आंकड़ों से की जाए तो इसमें काफी सुधार हुआ है लेकिन अभी इसमें काफी सुधर बाकी है। 25 जून को समाप्त हुए सप्ताह में देश में खरीफ की बुआई 20 प्रतिशत से ज्यादा पिछड़ी हुई थी जबकि 2 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह में बुआई 15 प्रतिशत कम थी। 9 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह के आंकड़ों के अनुसार देश में चावल की बुआई में 11.26 लाख हेक्टेयर की कमी आई है जबकि मोटे अनाज की बुआई 15.13 लाख हैक्टेयर, तिलहन की बुआई 13.58 लाख हैक्टेयर और कपास की बुआई 18.38 हैक्टेयर पिछड़ी हुई है। हालांकि गन्ने की बुआई का रकबा करीब 91 हजार हैक्टेयर बढ़ा है जबकि दालों की बुआई के रकबे में भी 87 हजार हैक्टेयर की कमी दर्ज की गई है।

कपास की बुआई सुधार के बावजूद पिछड़ी

25 जून को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक देश में खरीफ की बुआई 55.90 लाख हैक्टेयर पिछड़ी हुई थी और 25 जून के आंकड़ों के अनुसार कपास की बुआई का सबसे बुरा हाल था और पिछले साल के इसी अवधि के आंकड़ों के मुताबिक कपास की बुआई 34.55 लाख हैक्टेयर पिछड़ी हुई थी लेकिन दो सप्ताह बाद इसमें सुधार हुआ है और पिछले दो सप्ताह में कपास की बुआई का रकबा बढ़ गया है लेकिन अभी भी पिछले साल के मुकाबले 18.38 लाख हैक्टेयर कम है।

चावल की बुआई में पिछड़ना चिंताजनक

25 जून तक देश के चावल की बुआई ठीक गति से चल रही थी और पिछले साल के मुकाबले इसमें 1.53 लाख हैक्टेयर की वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन 9 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह में चावल की बुआई 11.26 लाख हैक्टेयर पिछड़ गई है और ऐसा चावल की बुआई वाले क्षेत्रों में मॉनसून के गति न पकड़ पाने के कारण हुआ है। देश की अधिकतर आबादी चावल को प्रमुख खाद्यान के तौर पर इस्तेमाल करती है और सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को जो सस्ता भोजन उपलब्ध करवाती है उसमें बड़ी मात्रा में चावल दिया जाता है और यदि देश में चावल की बुआई पिछड़ने के कारण चावल के उत्पादन पर इसका असर होता है तपो देश में चावल के बफर स्टॉक पर इसका असर पड़ सकता है।

एलआईसी के विनिवेश को सीसीईए की हरी झंडी, समिति तय करेगी हिस्सेदारी बिक्री की मात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के विनिवेश को मंजूरी दे दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वित्त मंत्री की अगुवाई वाली एक समिति एलआईसी में हिस्सेदारी बिक्री की मात्रा तय करेगी। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एलआईसी का अंतर्निहित मूल्य निकालने के लिए बीमाकिक कंपनी मिलीमैन एडवाइजर्स एलएलपी इंडिया की नियुक्ति की थी। इसे भारतीय कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम कहा जा रहा है। एलआईसी कानून में बजट संशोधनों को अधिसूचित कर दिया गया है और बीमाकिक कंपनी जीवन बीमा कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को अंतिम देगी। अंतर्निहित मूल्य के तहत बीमा कंपनी के भविष्य के मुनाफे के मौजूदा मूल्य को उसके मौजूदा शुद्ध संपत्ति मूल्य में शामिल किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने पिछले सप्ताह एलआईसी के आईपीओ के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। 'विनिवेश पर वैकल्पिक व्यवस्था द्वारा सरकार द्वारा हिस्सेदारी बिक्री की मात्रा तय की जाएगी।' अधिकारी ने बताया कि एलआईसी का आईपीओ चालू वित्त वर्ष के अंत तक आ सकता है। एलआईसी आईपीओ के निर्गम आकार का 10 प्रतिशत तक पॉलिसीधारकों के लिए आरक्षित रखा जाएगा। प्रस्तावित आईपीओ के लिए सरकार पहले ही एलआईसी कानून में जरूरी विधायी संशोधन कर चुकी है। डेलॉयट और एसबीआई कैप्स को आईपीओ पूर्व सौदे का सलाहकार नियुक्त किया गया है। एलआईसी की सूचीबद्धता सरकार के चालू वित्त वर्ष के विनिवेश लक्ष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 1.75 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस 1.75 लाख करोड़ रुपए में एक लाख करोड़ रुपए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री से जुटाए जाएंगे। शेष 75,000 करोड़ रुपए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के विनिवेश से आएंगे।

सोने और चांदी में उछाल

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने के भाव में 90 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़त आई है। राजधानी दिल्ली में 99.9 ग्राम शुद्धता वाले सोने का नया भाव अब 46,856 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं मंगलवार को चांदी के दाम 490 रुपये उछलकर 67,988 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान सोना 46,766 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी 67,498 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 1,809 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई है जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम में ज्यादा बदलाव नहीं आया है और ये 26.21 डॉलर प्रति औंस पर ही हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ है। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन वैश्विक और घरेलू बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल से सेंसेक्स ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 397.04 अंक करीब 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ ही 52,769.73 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 119.75 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी बढ़कर 15,800 अंक के आगे 15,812.35 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे अधिक करीब तीन फीसदी बढ़ा। इसके अलावा एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, एनटीपीसी तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं एचसीएल टेक, डॉ रेडडी, मारुति, टेक महिन्द्रा, हिन्दुस्तान युनिलीवर, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, टीसीएस और इंफोसिस के शेयर में गिरावट रही। बाजार जानकारों के अनुसार अनुकूल आर्थिक परिणामों तथा एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच ही घरेलू बाजारों में यह तेजी आई है।''जून की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति हालांकि रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर है लेकिन यह 6.30 फीसदी से घटकर 6.26 फीसदी पर आ गई है। इसके अलावा मई का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) सालाना आधार पर अनुकूल आधार प्रभाव की वजह से 29.3 फीसदी बढ़ा है। इसका प्रभाव भी बाजार पर पड़ा है।

Jio ने अप्रैल में जोड़े 47 लाख नए मोबाइल ग्राहक, वोडाफोन आइडिया ने 18 लाख कनेक्शन गंवाए

(एजेंसी):

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अप्रैल में सबसे ज्यादा 47 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़े। इस दौरान संकट में फंसी वोडाफोन आइडिया ने 18 लाख ग्राहक गंवाए। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में भारती एयरटेल के मोबाइल कनेक्शनों में 5.1 लाख का इजाफा हुआ। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में रिलायंस जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 47 लाख बढ़कर 42.76 करोड़ पर पहुंच गई। वहीं वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या 18 लाख घटकर 28.19 करोड़ रह गई। मार्च में कंपनी ने 10 लाख नए ग्राहक जोड़े थे। अप्रैल में भारती एयरटेल के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 5.1 लाख बढ़कर 35.29 करोड़ पर पहुंच गई। ट्राई ने कहा कि कुल मिलाकर अप्रैल में देश में कुल फोन ग्राहकों की संख्या पिछले महीने की तुलना में 0.19 प्रतिशत बढ़कर 120.34 करोड़ पर पहुंच गई। माह के दौरान शहरी फोन ग्राहकों की संख्या में 0.08 प्रतिशत तथा ग्रामीण गाहकों की संख्या में 0.32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अप्रैल में देश का कुल फोन घनत्व बढ़कर 88.27 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो मार्च में 88.17 प्रतिशत था। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या बढ़कर 78.28 करोड़ हो गई, जो इससे पिछले महीने की तुलना में 0.61 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल के अंत तक कुल ब्रॉडबैंड ग्राहकों में शीर्ष पांच सेवाप्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी 98.8 प्रतिशत थी। इन सेवाप्रदाताओं में रिलायंस जियो इन्फोकॉम (43.04 करोड़), भारती एयरटेल (19.41 करोड़), वोडाफोन आइडिया (12.25 करोड़), बीएसएनएल (2.45 करोड़) तथा एट्रिया कन्वर्जेंस (18.7 लाख) शामिल हैं।

जुलाई के अगले पखवाड़े में घटेंगे पेट्रोल व डीजल के दाम

(एजेंसी)

पेट्रोल व डीजल के दाम जुलाई, 2021 के अंत तक रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे आ सकते हैं लेकिन कीमतें ज्यादातर ग्राहकों की जेब के हिसाब से असहज बनी रहेंगी। कीमतों में कमी की वजह ब्रेंट क्रूड का दाम 75 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होना है, जो इस महीने की शुरुआत में 77 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर पर था। भारत में पेट्रोलियम उत्पादों का खुदरा बिक्री मूल्य वैश्विक दाम के संकेतकों से जुड़ा हुआ है। हालांकि कच्चे तेल के संकेतकों पर यह यथावत नजर नहीं आता लेकिन कुल मिलाकर कच्चे तेल की कीमतें उसके मुताबिक होती हैं। कच्चे तेल के लिए सबसे ज्यादा लोकप्रिय मार्कर ब्रेंट का कारोबार सोमवार को 74 डॉलर प्रति बैरल पर हुआ। भारत के बॉस्केट के कच्चे तेल की कीमत, जिस भाव पर भारत की रिफाइनरी कच्चा तेल खरीदती हैं, 73.99 डॉलर प्रति बैरल रहा। तुलनात्मक रूप से भारतीय बॉस्केट का औसत मूल्य जून में 71.63 डॉलर प्रति बैरल रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से पेट्रोलियम उत्पादों, जैसे पेट्रोल-डीजल और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी या रसोई गैस) की कीमतों पर पड़ा और इसकी बिक्री रिकॉर्ड उच्च कीमतों पर हुई लेकिन कोविड-19 के बढ़ने के डर से कीमतों में तेजी को लगाम लगता दिख रहा है। कीमतों में कमी की एक वजह यह भी है कि कच्चे तेल के उत्पादन की सीमा को लेकर पेट्रोलियम निर्यात करने वाले देशों के संगठन ओपेक और उनके सहयोगी देशों के बीच सहमति नहीं बन सकी। ऐसे में कारोबारी बाजार में ज्यादा कच्चे तेल की आपूर्ति का अनुमान लगा रहे हैं और एक बार फिर कीमतें नीचे जा रही हैं। भारत में पेट्रोल व डीजल का मानक इस अंतरराष्ट्रीय जिंस के एकसमान ग्रेड के मुताबिक तय होता है। भारत की तेल कंपनियां पेट्रोल व डीजल की कीमत 15 दिन पहले की कीमतों के मुताबिक तय करती हैं। ऐसे में अगर अंतरराष्ट्रीय दाम में आज गिरावट आती है तो पेट्रोल व डीजल की कीमतों में एक पखवाड़े बाद गिरावट आती है। कीमतों की वृद्धि के मामले में भी इसी नियम का पालन किया जाता है, अगर केंद्र सरकार कीमत रोकने को लेकर लिखित निर्देश नहीं देती।

आईएफएससी में व्यापार संबंधी वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए आईटीएफएस प्लेटफॉर्म की स्थापना की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंटरनेशनल फाइनेंसियल सर्विसेज सेंटर्स ('आईएफएससी') में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों को विकसित और विनियमित करने के लिए आईएफएससीए अधिनियम, 2019 के तहत इंटरनेशनल फाइनेंसियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी (आईएफएससीए) की स्थापना की गई है। इस दिशा में, आईएफएससीए ने इंटरनेशनल फाइनेंसियल सर्विसेज सेंटर्स ('आईएफएससी') में व्यापार संबंधी वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए इंटरनेशनल ट्रेड फाइनेंस सर्विसेज ('आईटीएफएस') प्लेटफॉर्म की स्थापना और उसके संचालन के संबंध में एक रूपरेखा जारी की है। यह रूपरेखा निर्यातकों और आयातकों को आईटीएफएस जैसे एक समर्पित इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के जरिए अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्रम में लेनदेन के लिए प्रतिस्पर्धी शर्तों पर विभिन्न प्रकार की व्यापार संबंधी वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी।

इससे उनकी व्यापारिक प्राप्य राशियों को लिक्विड फंड में बदलने और अल्पकालिक वित्त पोषण (फंडिंग) प्राप्त करने की उनकी क्षमता में मदद मिलेगी। यह रूपरेखा प्रतिभागियों को व्यापार के क्रम में लेनदेन के लिए आईटीएफएस प्लेटफॉर्म पर एक्सपोर्ट इनवॉइस ट्रेड फाइनेंसिंग, रिवर्स ट्रेड फाइनेंसिंग, बिल डिस्काउंटिंग अंडर लेटर ऑफ क्रेडिट, निर्यातकों के लिए सप्लाई चेन फाइनेंस, एक्सपोर्ट क्रेडिट (पैकिंग क्रेडिट), बीमा / क्रेडिट गारंटी, फैक्टरिंग और अन्य योग्य उत्पाद जैसी व्यापार संबंधी वित्त सुविधाओं का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गांगुली ने बायोपिक के लिए मंजूरी दी, रणबीर निभा सकते हैं उनकी भूमिका

मुंबई । बॉलीवुड में बायोपिक पर फिल्म बनाने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में शामिल सौरव गांगुली के जीवन पर बनने वाली बायोपिक को भी मंजूरी मिल गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैरव ने उनके जीवन पर बनने वाली बायोपिक के लिए सहमति दे दी है। इस फिल्म में गांगुली की भूमिका रणबीर कपूर निभा सकते हैं। गांगुली ने कहा, हां, मैंने बायोपिक के लिए हामी भर दी है। यह हिंदी में बनेगी, लेकिन अभी निर्देशक का नाम बताना संभव नहीं है। सब कुछ व्यवस्थित करने में अभी कुछ दिन और लगेंगे। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। प्रोडक्शन हाउस की गांगुली के साथ कई बैठक हो गयी हैं। उनकी बायोपिक बनेगी, ये तो वह तय हो गया है, लेकिन गांगुली की भूमिका कौन निभाएगा? इसपर अभी बात चल रही है। अटकलें हैं कि अभिनेता रणबीर कपूर उनकी भूमिका निभाएंगे हालांकि इस सूची कुछ और नाम भी शामिल हैं। दादा ने खुद रणबीर का नाम लिया है। हाल के कुछ वर्षों में खिलाड़ियों पर बायोपिक बनाने का चलन बढ़ा है। इसी सिलसिले में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, मोहम्मद अजहरुद्दीन, महान धावक मिल्खा सिंह, मुक्केबाज मेरीकॉम और हॉकी स्टार संदीप सिंह पर बायोपिक बनी हैं।

शरत और मनिका पर होगी 'पिंग पोंग' में इतिहास रचने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली :

किसी जमाने में 'पिंग पोंग' नाम से कुलीन वर्ग के शौकिया खेल के रूप में जन्म लेने वाला टेबल टेनिस जब से ओलंपिक खेलों का हिस्सा बना तब से लेकर अब तक भारत ने हर बार इसमें खिलाड़ी उतारे लेकिन उनकी भूमिका प्रतिनिधित्व तक ही सीमित रही है। तोक्यो ओलंपिक में टेबल टेनिस में भारत के चार खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे और वे केवल अनुभव हासिल करने या प्रतिनिधित्व करने के लक्ष्य के साथ वहां नहीं जा रहे हैं। अनुभवी अचंता शरत कमल और युवा मनिका बत्रा ने हाल के प्रदर्शन के दम पर पदक जीतना अपना लक्ष्य बनाया है तो जी साथियान और सुत्रिता मुखर्जी की निगाह भी उलटफेर करने पर टिकी है। शरत कमल के यह चौथे ओलंपिक खेल होंगे जो भारतीय रिकार्ड होगा। शरत और मनिका ने अपनी रैंकिंग के आधार पर ओलंपिक में जगह बनायी जबकि साथियान और सुत्रिता ने मार्च में दोहा में एशियाई क्वालीफायर्स के जरिये तोक्यो जाने का टिकट हासिल किया। शरत और मनिका मिश्रित युगल में भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। टेबल टेनिस को ओलंपिक में जगह बनाने के लिये लंबा इंतजार करना पड़ा था। सियोल ओलंपिक 1988 में पहली बार पुरुष और महिला वर्ग में एकल और युगल स्पर्धाएं आयोजित की गयी थी। बीजिंग ओलंपिक 2008 के बाद युगल की जगह टीम स्पर्धा को शामिल किया गया। तोक्यो ओलंपिक 2020 में मिश्रित युगल की नयी स्पर्धा जोड़ी गयी है। भारत ने 1988 सियोल से लेकर रियो ओलंपिक 2016 तक प्रत्येक खेलों में टेबल टेनिस में खिलाड़ी उतारे हैं लेकिन अब भी उसे पहले पदक का इंतजार है। सियोल ओलंपिक में कमलेश मेहता और सुजोय घोरपड़े ने पुरुष और नियति राय शाह ने महिला वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इसके चार साल बाद बार्सिलोना ओलंपिक में कमलेश मेहता संयुक्त 17वें स्थान पर रहे थे जो एकल में किसी भारतीय का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चेतन बबूर और शरत कमल ने अब तक तीन-तीन ओलंपिक में हिस्सा लिया है। महिलाओं में नियति रॉय और मौमा दास दो-दो ओलंपिक में भाग ले चुकी हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों के ही क्वालीफाई करने के कारण भारत अभी ओलंपिक में टीम स्पर्धा में भाग नहीं ले पाया है। उसने हालांकि तीन बार 1988, 1992 और 2000 में पुरुष युगल में हिस्सा लिया था। टेबल टेनिस का जनक इंग्लैंड है और शुरू में यह यूरोप तक सीमित रहा लेकिन समय गुजरने के साथ इसमें एशियाई देशों विशेषकर चीन का दबदबा बन गया।

आईसीसीवनडे रैंकिंग में मिताली राज का स्थान फिसला

दुबई ।

भारतीय कप्तान और स्टार बल्लेबाज मिताली राज को पछाड़कर वेस्टइंडीज की कप्तान स्टेफनी टेलर मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एक दिवसीय रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज बन गईं। कूलिज मैदान पर पहले एक दिवसीय मैच में पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज की 5 विकेट की जीत में शानदार प्रदर्शन की बदौलत टेलर बल्लेबाजों के अलावा आलराउंडरों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर काबिज हो गई। नाबाद 105 रन और 29 रन देकर 3 विकेट चटकाने के लिए मैन आफ द मैच बनीं टेलर को तीनों रैंकिंग में फायदा हुआ है। उन्होंने बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान की छलांग के साथ मिताली को शीर्ष स्थान से हटाया। गेंदबाजों की सूची में भी वह तीन स्थान के फायदे से 16वें पायदान पर पहुंच गई हैं। आलराउंडरों की सूची में टेलर ने दो स्थान के फायदे से आस्ट्रेलिया की एलिस पैरी को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। गेंदबाजों की सूची में भारत की अनुभवी झूलन गोस्वामी पांचवें जबकि दीप्ति शर्मा आलराउंडरों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में इंग्लैंड की नैट स्किवर बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के फायदे से 9वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में भारत के खिलाफ 55 रन की पारी खेली। भारतीय आलराउंडर दीप्ति शर्मा दो स्थान के फायदे से 37वें स्थान पर है। गेंदबाजों की सूची में पूनम यादव पांच स्थान के फायदे से सातवें और शिखा पांडे आठ स्थान के फायदे से 27वें स्थान पर है। इंग्लैंड की फ्रेया डेविस दो स्थान के फायदे से 64वें पायदान पर हैं।

भारत 119 खिलाड़ियों सहित तोक्यो ओलंपिक के लिए 228 सदस्यीय दल भेजेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने मंगलवार को कहा कि भारत 119 खिलाड़ियों सहित तोक्यो ओलंपिक के लिए 228 सदस्यीय दल भेजेगा। ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बातचीत के दौरान बत्रा ने बताया कि 119 खिलाड़ियों में से 67 पुरुष और 52 महिला प्रतिभागी हैं। यह ओलंपिक में भारत का अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ियों का दल होगा। उन्होंने कहा, 'तोक्यो जाने वाला पहला दल 17 जुलाई को यहां से रवाना होगा। इसमें कुल 90 एथलीट और अधिकारी होंगे।

भारत 2026 में विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली ।

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत 2026 में विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। भारत को 2023 में सुदीरमन कप का आयोजन करना था लेकिन बीडब्ल्यूएफ ने इस विश्व मिश्रित टीम चैंपियनशिप की मेजबानी चीन को सौंपने का फैसला किया है। बीडब्ल्यूएफ ने चीन में कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए इस साल के सुदीरमन कप को चीन के शुजोऊ की जगह फिनलैंड के वांता में आयोजित करने का फैसला किया। इस खेल की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि शुजोऊ में अब 2023 में बीडब्ल्यूएफ विश्व मिश्रित टीम चैंपियनशिप का आयोजन होगा जिसकी मेजबानी पहले भारत को सौंपी गई थी। भारत ने 2026 में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी स्वीकार कर ली है। यह दूसरा अवसर होगा जबकि भारत विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2009 में हैदराबाद में इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के अध्यक्ष हिमांता बिस्वा सरमा ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिता का आयोजन करना भारतीय बैडमिंटन संघ के साथ देश के लिए भी बड़ी उपलब्धि है। ओलंपिक की तैयारियों में लगी पी वी सिंधू वर्तमान में महिला एकल की विश्व चैंपियन है। सिंधू ने इस प्रतियोगिता में दो रजत और दो कांस्य पदक भी जीते हैं। बी साई प्रणीत ने दो साल पहले स्विट्जरलैंड के बासेल में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप का पदक जीतकर 36 साल के लंबे इंतजार को खत्म किया था। साइना नेहवाल ने 2015 और 2017 में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता था जबकि अश्विनी पोनप्पा और ज्वाला गुट्टा ने 2011 में लंदन में महिला युगल में कांस्य पदक हासिल किया था।

संक्षिप्त समाचार

क्रोशिया रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज : आखिरी दिन आया आनंद का तूफान बने उपविजेता

जाग्रेब , क्रोशिया (निकलेश जैन) ग्रांड चैस टूर 2021 के तीसरे पड़ाव क्रोशिया ग्रांड चैस टूर रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज के आखिरी दिन भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद नें आसधारण खेल दिखाया और उपविजेता के तौर पर टूर्नामेंट का समापन किया ।एक दिन पहले चौथे स्थान पर चल रहे विश्वनाथन आनंद नें आखिरी दिन पहले तो क्रमशः नीदरलैंड के अनीश गिरि , पोलैंड के जान डुड़ा और फ्रांस के मकसीम लागरेव से ड्रॉ के साथ की पर इसके बाद उन्होने लगातार चार जीत से टूर्नामेंट का समीकरण ही बदल दिया । आनंद नें चौथे राउंड में एक बार फिर पूर्व विश्व चैम्पियन रूस के गैरी कास्पारोव को पराजित किया हालांकि इस बार आनंद नें यह जीत काले मोहरो से हासिल की , इसके बाद उन्होने सबसे आगे चल रहे रूस के इयान नेपोनियची को , उक्रेन के अंटोन कोरोबोव और नीदरलैंड के जॉर्डन फौरेस्ट को मात देते हुए लगातार चार हासिल की । इसके बाद अंतिम दो राउंड में आनंद नें अजरबैजान के ममेद्यारोव और रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित रहते हुए टूर्नामेंट के आखिरी दिन का अंत किया । इस प्रकार 4 जीत और 5 ड्रॉ के साथ आनंद नें 6.5 अंक बनाए और ओवरऑल 21 अंक बनाते हुए उपविजेता बन गए । मकसीम लागरेव 23 अंको के साथ विजेता बने जबकि अनीश गिरि 20.5 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रहे । जबकि चार दिन प्रतियोगिता में बढ़त बनाने वाले नेपोनियची को 20 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के साथ चौथा स्थान हासिल किया और जान डुड़ा पांचवे स्थान पर रहे , ममेद्यारोव 19 अंको के साथ छठे , ग्रीसचुक 18 अंको के साथ सातवे , कोरोबोव 15.5 अंको के साथ आठवे ,कास्पारोव और सारिक सयुंक्त रूप से 12.5 अंक बनाकर नौवे और जॉर्डन 10.5 अंक बनाकर अंतिम दसवें स्थान पर रहे ।

मिडफील्डर बिद्यानंदा सिंह एटीके मोहन बगान से जुड़े

कोलकाता। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2020-21 की फाइनलिस्ट एटीके मोहन बगान ने मिडफील्डर बिद्यानंदा सिंह के साथ एक साल का करार किया है। बिद्यानंदा पिछले सीजन में मुंबई सिटी एफसी की टीम में थे लेकिन उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था। यह दूसरी बार होगा जब बिद्यानंदा कोलकाता स्थित क्लब का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह एटीके एफसी टीम के साथ पहले रह चुके है जिसने 2016 में खिताब जीता था। टीम के लिए छह मैच खेलने के बाद वह 2017 में बेंगलुरु एफसी में गए जहां उन्होंने बी टीम के लिए मुकाबले खेले। बिद्यानंदा ने एएफसी कप में सीनियर टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। वह बेंगलुरु एफसी के 2018-19 सीजन में भी हिस्सा थे लेकिन कोई मैच नहीं खेले थे। क्लब ने ट्विटर पर घोषणा करते हुए कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि बिद्यानंदा की सिटी ऑफ जॉय में वापसी हुई है।

SLC अनुबंध विवाद: मुरलीधरन ने श्रीलंकाई क्रिकेटरों की आलोचना की

कोलंबो ।

श्रीलंकाई स्पिन दिग्गज मुथैया मुरलीधरन ने केंद्रीय अनुबंधों के विवाद के लिए राष्ट्रीय टीम के चार सीनियर खिलाड़ियों को फटकार लगाई है। पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज और कुसल परेरा जैसे सीनियर खिलाडियों के साथ टीम के कई दूसरे खिलाड़ी भी केंद्रीय अनुबंधों को लेकर श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ लंबे समय तक चले आ रहे विवाद में शामिल हैं। इंग्लैंड दौरे से पहले कई श्रीलंकाई क्रिकेटरों ने वेतन विवाद के कारण बोर्ड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने हालांकि बाद में दौरे के अनुबंध पर इंग्लैंड के खिलाफ खेलने के लिए हामी भर दी थी। श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने पारदर्शिता के मुद्दों पर अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, लेकिन मुरलीधरन ने कहा कि ऐसा मुख्य रूप से इसलिए हुआ क्योंकि सीनियर क्रिकेटरों को नयी प्रदर्शन-आधारित प्रणाली के तहत कम वेतन मिलेगा। मुरलीधरन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस साल उन्हें केंद्रीय अनुबंध की आवश्यकता नहीं है, हम दौरा आधारित अनुबंधों को जारी रख सकते है। क्रिकेटरों ने 18 जुलाई से शुरू होने वाली भारत श्रृंखला से पहले दौरे के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 800 विकेट लेने वाले 49 वर्षीय मुरलीधरन ने कहा कि सीनियर क्रिकेटर अपनी वेतन में कटौती को देखते हुए अन्य युवा खिलाड़ियों को अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से रोक रहे हैं। जब बोर्ड की ओर से अनुबंध पेशकश की गई तो खिलाड़ियों ने इसे नहीं लिया। ऐसे में उन्हें अब केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलेगा। इससे देश के टेस्ट क्रिकेटरों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा क्योंकि एसएलसी से उन्हें मासिक वेतन नहीं मिलेगा और टीम को नवंबर से पहले कोई टेस्ट मैच नहीं खेलना है।

मैसी ने कोपा अमेरिका जीत को अर्जेंटीना के नागरिकों और माराडोना को किया समर्पित

रियो डी जेनेरो ।

अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनेल मैसी ने टीम की कोपा अमेरिका जीत को चार करोड़ 50 लाख अर्जेंटीना नागरिकों और महान दिवंगत फुटबॉल खिलाड़ी डिएगो माराडोना को समर्पित किया है। उन्होंने साथ ही उम्मीद जताई है कि यह भावनात्मक जीत उनके हमवतनों को कोरोना वायरस से ठीक होने की उनकी लड़ाई में ताकत प्रदान करने में मदद करेगी। उल्लेखनीय है कि मैसी ने अपने करियर का पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब तब जीता, जब उनकी टीम ने रियो डी जेनेरो के माराकाना स्टेडियम में कोपा अमेरिका के फाइनल में ब्राजील को 1-0 से हराया, जिससे अर्जेंटीना के लिए एक बड़ी ट्रॉफी के लिए 28 साल का इंतजार खत्म हो गया। मैसी ने रविवार को इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि यह एक अविश्वसनीय टूर्नामेंट था। हम जानते हैं कि हम अभी भी बहुत सी चीजों में सुधार कर सकते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि खिलाड़ियों ने इसमें अपना सब कुछ दिया। मेरे लिए इस शानदार समूह का कप्तान होने का सौभाग्य मिलने से अधिक गर्व की बात क्या हो सकती है। मैं इस सफलता को अपने परिवार को समर्पित करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा आगे बढ़ने की ताकत दी। अपने दोस्तों को, जिन्हें मैं बहुत प्यार करता हूं, उन सभी लोगों को, जो हम पर विश्वास करते हैं, और विशेष तौर पर उन चार करोड़ 50 लाख अर्जेंटीनियाई नागरिकों को, जिन्होंने मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी है। 4 गोल और 5 बार असिस्ट (सहायता) करने के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट से सम्मानित मैसी ने अर्जेंटीना फुटबॉल के दिग्गज डिएगो माराडोना की याद में जीत को समर्पित किया, जिनका पिछले साल 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। बार्सिलोना के स्ट्राइकर मैसी ने रिकॉर्ड छह बार फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता है। उन्हें व्यापक रूप से पेले, माराडोना और उनके प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है।

बेंगलुरु एफसी ने डिफेंडर सार्थक के साथ किया करार

बेंगलुरु। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम बेंगलुरु एफसी ने युवा भारतीय डिफेंडर सार्थक गोलुई के साथ दो साल का करार किया है। 23 वर्षीय डिफेंडर चौथे ऐसे खिलाड़ी हैं जिसके साथ क्लब ने करार किया है। उनसे पहले यरोंदु मुसावप किंग, एलान कोस्टा और रोहित कुमार भी टीम से जुड़ चुके हैं। कोलकाता में जन्में सार्थक इससे पहले एफसी पुणे सिटी, मुंबई सिटी एफसी और एससी ईस्ट बंगाल का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सार्थक ने कहा, बेंगलुरु एफसी के साथ जुड़कर मैं काफी उत्साहित हूं। ऐसे क्लब के साथ जुड़ना जिसने कई सफलताएं हासिल की है मेरे लिए बड़ी जिम्मेदारी है और मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब के उम्मीदों पर खरा उतरूंगा। उन्होंने कहा, यह काफी चुनौतीपूर्ण है। मैनेजमेंट और कोच ने मुझपर भरोसा जताया है और अब मुझे इस पर खरा उतरना है। इससे मुझे सुनील छेत्री और गुरप्रीत संधू जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा। मैं अपने टीम के साथी खिलाड़ियों से मिलने के लिए उत्सुक हूं।

दीपक काबरा ओलंपिक में पहले भारतीय जिम्नास्टिक जज बने

नई दिल्ली ।

दीपक काबरा ओलंपिक खेलों की जिम्नास्टिक स्पर्धा में जज के तौर पर चुने जाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। वह 23 जुलाई से शुरू हो रहे तोक्यो ओलंपिक में पुरूषों की लयबद्ध जिम्नास्ट स्पर्धा में जज होंगे। उन्होंने पीटीआई से कहा, 'मुझे पिछले साल मार्च में निमंत्रण मिला था लेकिन ओलंपिक स्थगित हो गए। इसके बाद एक साल से मैं इंतजारक रहा था। उन्होंने कहा, 'मुझे अप्रैल में पुष्टि मिल गई थी लेकिन कोरोना महामारी के कारण आशंका थी कि ओलंपिक होंगे भी या नहीं । मुझे खुशी है कि ओलंपिक का हिस्सा बनने का मेरा सपना पूरा हो रहा है।' महाराष्ट्र के इस 33 वर्षीय एथलीट ने जिम्नास्टिक चुना लेकिन जल्दी ही समझ गए कि वह इसमें बड़े स्तर तक नहीं जा सकेंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने 2000 में 12 वर्ष की उम्र में खेलना शुरू किया। मैं सूरत में रहता था और उस समय सुविधायें अच्छी नहीं थी। मैने राष्ट्रीय स्तर पर खेला लेकिन मैं समझ गया था कि बतौर खिलाड़ी मेरा भविष्य नहीं है क्योंकि मेरे बेसिक्स उतने मजबूत नहीं थे। मुझे जजिंग का जुनून था और अपने कोच कोशिक बेदीवाला से प्रेरणा लेकर मैं जज बन गया।' बतौर जज 2010 राष्ट्रमंडल खेल उनका पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। वह 2014 एशियाई खेलों युवा ओलंपिक में में भी जज रहे। उन्होंने इसके बाद 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों, अर्जेंटीना में युवा ओलंपिक, विश्व कप जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भी जज की भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'मैं 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में सबसे कम उम्र का जज था। मैंने अब तक लगभग 20 प्रमुख आयोजनों में भाग लिया है। केवल ओलंपिक ही बचा हुआ था, अब मैं इसमें भी भाग लेने जा रहा हूं।' एशियाई जिम्नास्टिक्स संघ की तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में 2018 में नियुक्त किए गए काबरा ने कहा, 'ओलंपिक तक पहुंचने में कम से कम 12 साल लगते हैं और मैं इसे अपने करियर के 12वें साल में पहुंचने पर खुद को भाग्यशाली मानता हूं।' तोक्यो में भारतीय जिम्नास्टिक का प्रतिनिधित्व प्रणति नायक करेंगी, जिन्होंने 2019 एशियाई कलात्मक जिमनास्टिक में कांस्य पदक जीता था। दीपा करमाकर देश की सबसे लोकप्रिय जिमनास्ट रही है, रियो खेलों में महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रही थी।

लीडरशीप की भूमिका में उत्कृष्ट रहूंगी: दीप्ति

होव। मिताली राज और हरमनप्रीत कौर के बाद भारतीय महिला टीम की कप्तान के रूप में मजबूत दावेदार बनकर उभरीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कहना है कि वह लीडरशीप की भूमिका में उत्कृष्ट रहेंगी। 38 वर्षीय भारती महिला वनडे और टेस्ट की कप्तान मिताली किसी भी वक्त अपनी जिम्मेदारी छोड़ सकती हैं जबकि हरमनप्रीत के पास अभी कुछ समय है। दीप्ति ने 27 गेंदों पर 24 रन बनाकर इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी। दीप्ति ने कहा, मुझे दबाव भरी स्थिति में खेलना पसंद है, वो कोई भी पॉजिशन हो, बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग। एक ऑलराउंडर के नाते मैं सभी विभाग में ज्यादा से ज्यादा योगदान देने की कोशिश करती हूं। उन्होंने कहा, मैं टीम का नेतृत्व करना पसंद करती हूं। घरेलू टूर्नामेंट में भी मैंने टीम को आगे ले जाने के लिए लीड किया है। इससे मेरा मनोबल अतिरिक्त बढ़ता है। दीप्ति ने कहा, जब आत्मविश्वास आप घरेलू क्रिकेट से बढ़ाते हो उसे आपको यहां दिखाना होता है। यह प्लेटफॉर्म आसान नहीं है लेकिन आपको इससे पार पाना होचा है। मुझे पता है कैसे हैंडल करना है।

एनिमेशन में बनाएं कॅरियर

अगर आप किसी क्रिएटिव फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो आप एनिमेशन इंडस्ट्री ज्वॉइन कर सकते हैं। इस फील्ड में क्रिएटिविटी, पैसा और शानदार कॅरियर सब कुछ है। पिछले पांच सालों में एनिमेशन इंडस्ट्री के विकास की रफ्तार काफी तेज हुई है। अब इसकी टेक्नोलॉजी में भी काफी सुधार होता जा रहा है। आज एनिमेशन प्रोफेशनल्स को काफी अच्छा पैकेज मिल रहा है।

आज थ्री डी एनिमेशन की क्वॉलिटी की वजह से इसके पसंद करने वाले लोगों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। अच्छे संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने के बाद स्टूडेंट्स की मांग विदेशों में भी रहती है। अगर आप एनिमेशन का कोर्स करने के लिए किसी संस्थान को ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो उसके सिलेबस और प्रैक्टिकल लैब के बारे में जरूर जानें। क्योंकि इसकी पढ़ाई में थ्योरी से अधिक प्रैक्टिकल क्लासेस मायने रखते हैं।

काम का स्वरूप

थ्री-डी एनिमेशन पूरी तरह क्रिएटिविटी और टीम वर्क पर आधारित काम है। एनिमेशन बहुत बड़ा फील्ड है। इसमें आप कई लेवल पर काम कर सकते हैं। किसी थ्री-डी एनिमेशन को बनाने में कई लोगों का हाथ होता है। इसके लिए कुछ जरूरी चीज हैं, वे हैं- कहानी, कहानी के कैरक्टर, एनिमेशन, स्टोरी बोर्ड एनिमेशन, लाइटिंग, टैक्सचर, डायनामिक्स, वॉइस रिकॉर्डिंग, डिजिटल एडिटिंग। इसके बाद ही एनिमेशन फिल्म तैयार होती है।

दिखाएं अपना कौशल

एनिमेटर के कई कार्य होते हैं। जैसे मॉडलर,ले आउट आर्टिस्ट, क्लीनअप आर्टिस्ट, स्कैनर ऑपरेटर, डिजिटल इंक और पेंट आर्टिस्ट, कम्पोजिटर, की फ्रेम एनिमेटर, बैकग्राउंड आर्टिस्ट आदि। एसे में यह जरूरी हो जाता है कि अगर आप क्रिएटिव हों, तब ही इस कोर्स को ज्वॉइन करें।

योग्यता और कोर्स

एनिमेशन में कॅरियर बनाने के लिए आप 12वीं के बाद डिप्लोमा या एनिमेशन में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम के लिए किसी भी विषय से ग्रैजुएट होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होनी चाहिए। एनिमेशन और मल्टीमीडिया के फील्ड में कई डिप्लोमा और डिग्री कोर्सेज कराए जाते हैं, जिनके अंतर्गत एनिमेशन से जुड़ी हुई तकनीकी जानकारी और कई चीजें सिखाई जाती है। इनमें प्रमुख कोर्सेज ट्रेडिशनल एनिमेशन, स्टॉप मोशन एनिमेशन, रोटोस्कोपिंग, कंप्यूटर जनरेटेड थ्रीडी और टू डी एनिमेशन, क्लेमेशन, फोटो शॉप, ड्राइंग आदि शामिल हैं।

अवसर हैं अपार

आ प एनिमेशन फील्ड में मॉडलर, ले आउट आर्टिस्ट, क्लीन अप आर्टिस्ट, स्कैनर ऑपरेटर, डिजिटल इंक और पेंट आर्टिस्ट, कंपोजिटर, की फेम एनिमेटर, बैकग्राउंड आर्टिस्ट के तौर पर काम कर सकते हैं। आप अपनी योग्यता के आधार पर इनमें से कुछ भी चुन सकते हैं। एनिमेशन का दायरा काफी बड़ा है, इसलिए आपके पास चुनने के लिए कई सारे ऑप्शन मौजूद रहते हैं। इस फील्ड में जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता जाएगा, आय भी खूब बढ़ेंगी।

न दबें परफेक्शन के बोझ से

राम को उसकी कंपनी में एक बड़े प्रोजेक्ट का इंचार्ज बनाया गया था, तब से ही उसके साथी उससे कॉम्पिटिशन करने लगे थे। इस बढ़ते कॅम्पिटिशन में राम अपने काम पर ज्यादा ध्यान देने लगा। वह हर कार्य को बारीकी से दो-तीन बार देखता। शुरुआत में तो सब ठीक चलता रहा, लेकिन धीरे-धीरे वह एक खास तरह के दबाव का शिकार बनने लगा।

एक काम को कई बार देखना। मन में यह आशंका बनी रहना कि कहीं कोई कमी तो नहीं रह गई। इस दबाव के कारण वह अपना प्रेजेंटेशन समय पर नहीं बना पाया। प्रोजेक्ट पेश करते समय सब गड़बड़ हो गया। उसने जो प्रोजेक्ट तैयार किया था, उसे भी ठीक तरह से पेश नहीं कर सका।

ऐसी? स्थितियां जॉब के दौरान अक्सर बनती हैं। जो कार्य के दौरान अपने ऊपर काम का भारी दबाव बना लेते हैं, अक्सर उनके साथ ऐसा होता है। वे सहज रहकर अपना कार्य नहीं कर पाते। असल ऐसा नाकामयाबी के डर के कारण होता है। जब किसी काम करने को आगे बढ़ते हैं तो अपने ऊपर ही भरोसा नहीं होता।

हम उस कार्य में पूर्णता चाहते हैं। हमारे मन में यह रहता कि हम जो भी काम करें उसमें सब बेहतर होना चाहिए। किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। यह परफेक्टोहॉलिक सिंड्रोम कहलाता है। यही सिंड्रोम हमारे मन में टहलता रहता है। उसकी वजह हम अपने काम जरा सी गलती बर्दाश्त नहीं कर पाते। यह एक बीमारी की तरह हमें जकड़ लेता है।

इससे हमें अपने काम पर भरोसा कम होने लगता है। स्पोर्ट्?स में भी ऐसा होता है। खिलाड़ी प्रैक्टिस में तो कई ?कीर्तिमान बनाते हैं, लेकिन जब असल मैच में उन्हें फिसड्डी साबित होते हैं। ऐसी स्थिति बचने के लिए जरूरी है कि परफेक्शन के बोझ के नीचे दबे नहीं। इससे आपको कार्य बोझ नहीं लगेगा। आपका हर कार्य बेहतर हो यह जरूरी नहीं।

सुंदर व्यक्तित्व की पहचान वाणी में मिठास

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसके बातचीत करने के ढंग से होती है। भले ही कोई व्यक्ति कितना ही सुंदर हो, परंतु वाणी में कर्कशता या रुखापन हो तो वह कभी किसी को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता।

इसके विपरीत सामान्य-सा दिखने वाला व्यक्ति यदि सौम्य है और उसकी वाणी में मिठास है तो वह सहज ही सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेगा। उचित-अनुचित का ज्ञान रखकर बोलने से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है। इसलिए आवश्यक है। तोल-मोल के बोलना कुछ इस तरह-

अपनी आवाज पर ध्यान दें, बहुत ऊंचे स्वर में चिल्ला-चिल्लाकर न बोलें। बोलते समय विषय का पर्याप्त ज्ञान हो इसका ध्यान रखें। बिना सोचे-समझे कभी न बोलें। बोलते समय अवसर व स्थान का विशेष ध्यान रखें। बाजार, अस्पताल आदि में धीरे बोलें। दो लोगों के बीच कभी न बोलें। न ही बिन मांगे अपनी सलाह दें। दूसरों की बात ध्यान से सुनें, तभी बोलें। साथ ही उनकी रुचि का ध्यान रखकर बोलें। बोलते समय बेवजह न हाथ नचाएं, न आंखें मटकाए न दूसरों को छुए या हाथ मारें। कुछ खाते हुए कभी न बोलें।

बोलते समय थूक के छींटें दूसरों पर न उड़ाएं। किसी दूर खड़े व्यक्ति से दूर से ही चिल्लाकर बात करने की कोशिश न करें, पास जाकर बोलें। बच्चों के स्कूल में उनकी अध्यापिकाओं आदि से शिष्टाचार से बोलें। अपने उच्चाधिकारी होने का मान करते हुए अपने मातहतों को तुच्छ न समझें। बच्चों के सामने उनके टीचर्स व रिश्तेदारों के लिए अपशब्द न कहें। अपने पद की गरिमा बनाए रखें एवं ऐसी स्थिति से बचें कि आपसे छोटा व्यक्ति आपको जवाब दे जाए।

सेवक या किसी भी बाहरी व्यक्ति से अपने घर की बातें न करें, न ही उनके सामने बहस व गाली-गलौज करें। अपनी गलत बात को सही सिद्ध करने के लिए बहस न करें। न ही चिल्ला-चिल्लाकर उसे सही सिद्ध करने की कोशिश करें। अपने से बड़ों के लिए अपशब्द उनकी पीठ पीछे भी न कहें। किसी के मुंह से निकली बात का मजाक अन्य लोगों के सामने न उड़ाएं। न ही भरी महफिल में किसी को शर्मिंदा करें।

एक-दूसरे की बात इधर से उधर न करें। एक कान से सुनें, दूसरे से निकाल दें। इन छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर आप अपने व्यक्तित्व को आकर्षक बना सकते हैं।

साउंड इंजीनियर बनकर संवारें कॅरियर

साउंड इंजीनियर बनकर आप टीवी व फिल्मों के अलावा, एडवर्टाइजिंग, ब्रॉडकॉस्टिंग, मल्टीमीडिया व एनिमेशन इंडस्ट्री आदि में भी काम पा सकते हैं। यहां तक कि एक बार एक्सपीरियंस होने के बाद आप अपना रिकार्डिंग स्टूडियो भी खोल कर लाखों की कमाई कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी है बस अपनी कौशल को बढ़ाते रहने की।

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के अलावा क्षेत्रीय फिल्मों और सीरियलों में आई तेजी के कारण साउंड इंजीनियर की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। साउंड इंजीनियर आवाज को खूबसूरत बनाता है और गीत के ठहराव और गति को नियंत्रित करता है। साउंड इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल उपकरणों का उपयोग होता है। जिनके माध्यम से रिकॉर्डिंग,मिक्सिंग और किसी भी आवाज की फिर से रिकार्डिंग कर सकते हैं। एक साउंड इंजीनियर साउंड को रिकॉर्ड करने के लिए कई तरह के उपकरणों का उपयोग करता है।

इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड,जिसमें कई तरह के बटन,डायल्स,लाइट्स और मीटर्स शामिल होते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग के महत्वपूर्ण भाग हैं। आप अपने अंदर जुनून और कुछ कर दिखाने का जज्बा रखते हैं,तो इस क्षेत्र में आपके लिए काफी अवसर हैं। साउंड इंजीनियर अपना कार्य दो स्तरों पर करता है- प्रॉडक्शन स्तर पर और दूसरा पोस्ट प्रॉडक्शन स्तर पर। प्रॉडक्शन लेवल पर साउंड इंजीनियर का कार्य मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के द्वारा तरह-तरह की आवाजें बनाना तथा उन्हें रिकॉर्ड करना होता है। पोस्ट प्रॉडक्शन लेवल पर उन्हें एडिट व मिक्स करके एक नई साउंड में बदल दिया जाता है।

इससे जुड़े कुछ कोर्स - साउंड रिकॉर्डिंग से जुड़े किसी भी कोर्स का समय तकरीबन 6 महीने से 3 वर्ष के बीच होता है। साउंड इंजीनियरिंग कोर्स के तहत साउंड रिकॉर्डिंग,एडिटिंग व मिक्सिंग की जानकारी दी जाती है। रिकॉर्डिंग टूल जैसे,मशीन,स्पीकर,एम्लीफायर्स,सिंगल प्रोसेसर और माइक्रोफोन आदि का इस्तेमाल सिखाया जाता है। ऑडियो राइटिंग,साउंड स्पेशल इफेक्ट्स आदि के बारे में भी पढ़ाया जाता है।

जरूरी हैं ये योग्यताएं

इस फील्ड को कॅरियर के तौर पर अपनाने के लिए आपको म्यूजिक व साउंड के प्रति गहरी रूचि रखना जरूरी है। यह फील्ड क्रिएटिविटी और टेक्नालॉजी का मिक्सचर है। इसलिए इसमें कॅरियर बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक व मैकेनिकल म्यूजिकल उपकरणों की समझ बेहद जरूरी है। अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल्स,पेशंस,एकाग्रता और टीम में काम करने की योग्यता होना भी जरूरी है।

विदेश में भी नौकरियां साउंड रिकॉर्डिंग का कोर्स करने के बाद विदेशों में भी रिकॉर्डिंग इंजीनियरिंग,मस्टरिंग इंजीनियरिंग,मिक्स इंजीनियरिंग और ऑडियो रिकॉर्डिंग इंस्टक्ट्रर का काम पा सकते हैं। ऑडियो एंड विडियो कंपनीज में साउंड रिकॉर्डिंग का जॉब भी कर

सफलता पाने के लिए अपनाइए ये बातें

जीवन में कभी भी थोड़ा पाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए, इससे विकास के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। सफलता पाने के लिए नीचे लिखी बातें अपनाइए और फिर देखिए कि आपको सफलता कैसे नहीं मिलती।

आपका व्यक्तित्व- अगर आप चाहते हैं कि आप कम्पनी में ऊंचे पद पर पहुंचें तो उसके के लिए खुद ही प्रयास करने होंगे। खुद का व्यक्तित्व स्वयं ही सुधारें। व्यवहारिक बनें, लोगों से सम्पर्क बनाएं, अंतर्मुखी न बनें। आपको शांत, व्यवस्थित और आत्मविश्वासी होना चाहिए क्योंकि कोई भी ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहेगा, जो बुझा-बुझा सा और निरुत्साहित हो।

अपनी भाषा पर नियंत्रण रखें- भाषा में अशुद्धता और गलत जगह गलत शब्दों का प्रयोग आपके लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि आपके सहयोगी आपके अनुभवों को दरकिनार कर दें और आपके अल्प ज्ञान की खिल्ली उड़ाएं। ऐसा कोई शब्कोश नहीं कि जिसे देखकर आप अपना ज्ञान बढ़ा सकें। ऐसा देखा जाता है कि जिन लोगों के पास बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होती है, उनकी स्थिति कम्पनी में काफी सुदृढ़ होती है।

आपके काम में स्वाभाविकता होनी चाहिए- आपके सुझाव बिल्कुल नए और स्वाभाविक होने चाहिए। यह किसी की देखा-देखी पर आधारित नहीं होना चाहिए। किसी भी समस्या पर जब आप सुझाव दें उसके हर आयाम पर आपके विचार स्पष्ट होने चाहिए। आपके पास जो संसाधन हैं उसका भरपूर उपयोग करें।

सावधानी से संभालें अपनी जिम्मेदारियां- मैनेजर के पद पर बैठे व्यक्ति से यह उम्मीद की जाती है कि उसमें पीपुल मैनेजमेंट के गुण होने चाहिए। वक्त से कभी भी समझौता न करें। हर काम अपने समय पर पूरा करवाएं। अगर जरूरत पड़े तो सख्ती भी बरतें। लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि आपकी सख्ती का प्रभाव उनके काम पर तो नहीं पड़ रहा।

अच्छे काम पर शाबाशी देना न भूलें- काम करने के दौरान समूह की भावना को प्राथमिकता दें। क्योंकि कहा जाता है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता। चीजों को वस्तुनिष्ठ होकर देखें। जिस भी व्यक्ति ने बेहतर काम किया है उसके काम की तारीफ करना न भूलें। अपनी टीम को साथ लेकर चलने का प्रयास करें। विचारों का आदान-प्रदान करते रहें।

कहते हैं कि सफलता उम्र की मोहताज नहीं होती, क्योंकि ऐसे लोगों की एक लम्बी सूची है, जिन्होंने कम उम्र में ही सफलता का स्वाद चख लिया है। बहुत से लोगों का ऐसा मानना है कि जीवन में पाने को बहुत कुछ है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दक्षिण कोरिया ने विवादित द्वीपों पर जापान के नए दावों का विरोध किया

सियोल। दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को विवादित द्वीपों पर जापान के नए सिरे से क्षेत्रीय दावे का विरोध किया, जिसे सियोल ने दोक्दो का नाम दिया है जबकि टोक्यो इसे ताकेशिमा कहता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार ने दिन में पहले जारी किए गए जापान के 2021 रक्षा श्वेत पत्र के माध्यम से दोक्दो पर जापानी सरकार के निर्थक क्षेत्रीय दावों को दोहराने का कड़ा विरोध किया है। मंत्रालय ने नोट किया कि इतिहास, भूगोल और अंतर्राष्ट्रीय कानून के संदर्भ में दोक्दो स्पष्ट रूप से दक्षिण कोरियाई क्षेत्र का एक अभिन्न अंग है। उसने जापान से ऐसे दावों को तुरंत वापस लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार विशेष रूप से दोक्दो पर अपने अन्यायपूर्ण दावों के जापानी सरकार के हालिया तीव्र होने पर गंभीर खेद व्यक्त करती है। उसके मुताबिक अन्यायपूर्ण दावों का दोक्दो पर दक्षिण कोरिया की संप्रभुता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, और नहीं भविष्य में होगा। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया द्वीपों पर किसी भी उकसावे का सख्ती और दृढ़ता से जवाब देगा। विदेश मंत्रालय ने श्वेत पत्र के विरोध में सियोल में जापानी दूतावास में मिशन के उप प्रमुख हिरोहिसा सोमा को तलब किया। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने विरोध दर्ज करने के लिए जापान के एक अताशे को अलग से तलब किया। 2005 के बाद से, जापान ने अपने राजनयिक नीले और रक्षा श्वेत पत्रों में हर साल चट्टानी बहिर्वाह पर क्षेत्रीय दावे किए हैं।

ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति को मिली कोविड वैक्सीन की पहली खुराक

टुनिस। ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सैयद ने कोरोना वैक्सीन के खिलाफ बनी वैक्सीन की पहली खुराक ले ली है। उनके कार्यालय की तरफ से जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी गई। सैयद के हवाले से इस बयान में कहा गया, हमारा देश सभी ट्यूनीशियाई लोगों की दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत महामारी की इस नाजुक स्थिति से उबरने में सक्षम है। मानव और रसद संसाधनों की कमी के बीच वायरस के तेजी से प्रसार से निपटने के लिए ट्यूनीशिया में अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के भारी दबाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सरकार टीके और विभिन्न आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिन ग्रैंड ट्यूनिस के चार प्रांतों (ट्यूनिस, एरियाना, बेन ऑरस और मनोबा) ने 30 जून और 6 जुलाई को संयुक्त रूप से किए गए एंटी-कोरोनावायरस उपायों को 31 जुलाई तक बढ़ाने का फैसला किया। उपायों के अनुसार, सप्ताहांत के दौरान शनिवार सुबह 5 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक प्रांतों के बीच वाहनों की आवाजाही पर रोक लगी रहेगी, जबकि कैफे और रेस्तरां में शाम 4 बजे से केवल डिलीवरी की सुविधा ही मौजूद होगी।

बांग्लादेश ने बकरीद से पहले एक हफ्ते के लिए लॉकडाउन में ढील देने का किया फैसला

ढाका। बांग्लादेशी सरकार ने ईद-उल-अजहा से पहले गुरुवार से एक सप्ताह के लिए जारी लॉकडाउन में ढील देने का फैसला किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के प्रेस सूचना विभाग (पीआईडी) ने सोमवार रात यह घोषणा करते हुए कहा कि मुस्लिम त्योहार के अवसर पर 22 जुलाई तक लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी, जो 21 जुलाई को मनाया जाएगा। घोषणा में कहा गया है कि देश का कैबिनेट डिवीजन मंगलवार को प्रतिबंधों में ढील के बारे में एक अधिसूचना जारी करेगा। कैबिनेट डिवीजन के एक अधिकारी ने कहा कि लॉकडाउन के उपायों में ढील देने के तहत, सरकार स्वास्थ्य नियमों का पालन करने की शर्त पर सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को फिर से शुरू करने की अनुमति दे सकती है। अधिकारी ने कहा कि दुकानों और शॉपिंग मॉल को भी सख्त स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के साथ फिर से शुरू करने की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा, बांग्लादेश में अधिकारियों ने कोविड -19 महामारी के बीच त्योहार से पहले राजधानी शहर में निर्देश दिये हुए स्थानों पर संचालित करने के लिए कम से कम 21 पशु बाजारों को मंजूरी दी है।

अफ्रीकी मूल के लोगों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए कार्रवाई का आग्रह

संयुक्त राष्ट्र, 13 जुलाई (आईएएनएस)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचेलेट ने जोर देकर कहा कि कानून प्रवर्तन अधिकारियों को अफ्रीकी मूल के लोगों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और पुलिसिंग के वैकल्पिक तरीकों को लागू किया जाना चाहिए। बैचेलेट ने सोमवार को मानवाधिकार परिषद के चल रहे 47वें सत्र में कहा कि मई 2020 में अफ्रीकी-अमेरिकी व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या एक महत्वपूर्ण बिंदु था, जिसने दुनिया का ध्यान अफ्रीकियों और लोगों द्वारा नियमित रूप से किए जाने वाले मानवाधिकारों के उल्लंघन की ओर दिलाया। प्रणालीगत नस्लवाद पर मानवाधिकार परिषद के साथ एक संवादात्मक संवाद में, बैचेलेट ने कहा कि उनके कार्यालय को कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा अफ्रीकी मूल के लोगों की कम से कम 190 मौतों के बारे में जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि इनमें से 98 फीसदी मामले यूरोप, लैटिन अमेरिका और उत्तरी अमेरिका में हुए। उन्होंने संबंधित राज्यों से नस्लवाद की प्रणालीगत प्रकृति को स्वीकार करने और नस्लीय न्याय सुनिश्चित करने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाने का आग्रह किया। मानव अधिकार-आधारित नीति निर्माण का आग्रह करते हुए, बैचेलेट ने राज्यों को कानून प्रवर्तन से संबंधित नीतियों और प्रथाओं का मानवाधिकार ऑडिट करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। अपराध को कम करने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए, उन्होंने कहा, कानून प्रवर्तन, आपराधिक न्याय प्रणाली और नीति निर्माण में अफ्रीकी मूल के लोगों को भर्ती करने और उन्हें शामिल करने के लिए अधिक प्रयास किए जाने चाहिए।

डच प्रधानमंत्री ने उपायों में जल्द ढील देने के लिए माफी मांगी

हेग (एजेंसी)।

डच प्रधानमंत्री मार्क रूटे ने जून के अंत में कोविड के उपायों में तेजी से ढील देकर निर्णय की गलती करने के लिए अपने मंत्रिमंडल की ओर से माफी मांगी है। रूटे ने सोमवार को यहां पत्रकारों से कहा, जो हमने सोचा था, वह संभव नहीं था। रूटे ने कहा, मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, देश में 26 जून को लगभग पूरी तरह से फिर से खुलने के बाद से नीदरलैंड में कोरोनावायरस संक्रमण दर अपेक्षा से बहुत तेजी से बढ़ी है। अधिकांश संक्रमण नाइटलाइफ सेटिंग और अधिक संख्या में लोगों के साथ पार्टियों में हुए हैं। डच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ एंड एनवायरनमेंट (आरआईवीएम) द्वारा रविवार से सोमवार तक कुल 8,522 नए कोविड संक्रमण दर्ज किए गए, जो एक दिन पहले की तुलना में 847 कम है। पिछले सात दिनों में, प्रतिदिन औसतन 6,619 पॉजिटिव परीक्षण दर्ज किए गए हैं, जो कि सात दिनों पहले की तुलना में 500 प्रतिशत से अधिक है। रूटे ने कहा यह सब सरकार को चिंता के कारण देते है। हम इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते कि आने वाले हफ्तों में अस्पताल में भर्ती फिर से बढ़ेंगी। इसलिए हमने फैसला किया है कि इस गर्मी में अतिरिक्त उपाय आवश्यक हैं। रूटे और निवर्तमान स्वास्थ्य मंत्री हुगो डी जोंग ने 9 जुलाई को कोरोनावायरस के प्रसार के खिलाफ नए उपायों की घोषणा की। ये 10 जुलाई से प्रभावी हुए और 13 अगस्त तक बने रहेंगे। रूटे और डी जोंग ने आरोपों को खारिज कर दिया कि कैबिनेट ने जून के अंत में प्रतिबंधों में बहुत जल्दी ढील दी थी। उन्होंने कहा कि उस समय ज्ञान और कम संक्रमण दर के साथ, विकल्प उचित थे।

यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों को बढ़ाया

मॉस्को (एजेंसी)।

यूरोपीय संघ की परिषद (ईयू) ने समझौतों को लागू करने में देरी पर रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को छह महीने तक बढ़ाने के अपने फैसले की घोषणा की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, परिषद ने सोमवार को एक बयान में कहा कि यूरोपीय संघ के नेताओं ने डोनबास संघर्ष के निपटारे पर मिन्स्क समझौते को पूरी तरह से लागू करने में विफल रहने पर रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों को सर्वसम्मति से लागू रखने का फैसला किया है। जून के अंत में यूरोपीय परिषद की बैठक के दौरान, यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के नेताओं ने रूस से इस समझौते के पूर्ण कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा था क्योंकि ब्लॉक के रुख में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त रखी गई थी। रूस के खिलाफ यूरोपीय संघ के आर्थिक प्रतिबंधों को पहली बार 31 जुलाई, 2014 को एक स्थानीय जनमत संग्रह के बाद मार्च 2014 में रूस के क्रीमियन प्रायद्वीप को शामिल करने के जवाब में पेश किया गया था। लेकिन कीव और पश्चिमी देश जनमत संग्रह के परिणामों को खारिज करते हैं। उस वर्ष सितंबर में प्रतिबंधों को सुदृढ़ किया गया और मार्च 2015 में, यूरोपीय परिषद ने उनकी अवधि को मिन्स्क समझौतों के पूर्ण कार्यान्वयन से जोड़ने पर सहमति व्यक्त की। प्रतिबंध कुछ रूसी बैंकों और कंपनियों के लिए यूरोपीय संघ के प्राथमिक और द्वितीयक पूंजी बाजारों तक पहुंच को सीमित करते हैं और रूसी वित्तीय संस्थानों के लिए वित्तीय सहायता और दलाली के रूपों को प्रतिबंधित करते हैं। उपाय प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सभी रक्षा-संबंधित सामग्री के आयात, निर्यात या हस्तांतरण को प्रतिबंधित करते हैं और रूस में सैन्य उपयोग या सैन्य-अंत उपयोगकर्ताओं के लिए दोहरे उपयोग के सामान के लिए प्रतिबंध स्थापित करते हैं।

के पी शर्मा ओली को बड़ा झटका, पांचवीं बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने शेर बहादुर देउबा

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा मंगलवार को पांचवीं बार देश के प्रधानमंत्री बने। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। 'द हिमालयन टाइम्स' की खबर के मुताबिक, राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने संविधान के अनुच्छेद 76(5) के तहत उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त किया। यह पांचवीं बार है जब देउबा (74) ने नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर सत्ता में वापसी की है। उनकी नियुक्ति उच्चतम न्यायालय द्वारा सोमवार को दिए गए फैसले के अनुरूप है। जिसने के पी शर्मा ओली को हटाते हुए प्रधानमंत्री पद के लिए उनके दावे पर मुहर लगाई थी। खबर में कहा गया कि राष्ट्रपति कार्यालय ने देउबा को उनकी नियुक्ति के बारे में सूचित किया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शपथ ग्रहण कब होगा क्योंकि इसके लिये तैयारियां चल रही हैं। इससे पूर्व देउबा चार बार- पहली बार सितंबर 1995- मार्च 1997, दूसरी बार जुलाई 2001- अक्टूबर 2002, तीसरी बार जून 2004- फरवरी 2005 और चौथी बार जून 2017- फरवरी 2018 तक- प्रधानमंत्री रह चुके हैं। संवैधानिक प्रावधान के तहत प्रधानमंत्री के तौर पर नियुक्ति के बाद देउबा को 30 दिनों के अंदर सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को प्रधानमंत्री ओली के 21 मई के संसद की प्रतिनिधि सभा को भंग करने के फैसले को रद्द कर दिया था और देउबा को प्रधानमंत्री नियुक्त करने का आदेश दिया था। प्रधान न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर राणा के नेतृत्व वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा था कि प्रधानमंत्री के पद पर ओली का दावा असंवैधानिक है।

इराक कोविड अस्पताल में आग लगने से 41 लोगों की मौत

तेल अवीव (एजेंसी)।

इराक के दक्षिणी प्रांत धीकार में कोविड-19 मरीजों का इलाज कर रहे एक अस्पताल में भीषण आग लगने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। आधिकारिक मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी ने मीडिया रिपोटरें के हवाले से बताया कि बगदाद से लगभग 375 किलोमीटर दक्षिण में प्रांतीय राजधानी अल-नसीरियाह के अल-हुसैन अस्पताल में कोरोनोवायरस रोगियों के लिए क्वारंटीन केंद्र में सोमवार शाम को आग लग गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अग्निशामक और नागरिक सुरक्षा दल आग बुझाने की कोशिश करते हुए मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों को निकालने की कोशिश कर रहे थे। धी कर प्रांत के स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता अम्मार अल-जमिली ने इराकी समाचार एजेंसी को बताया कि दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने में कामयाबी हासिल की। अल-जमिली ने कहा कि धी कर के स्वास्थ्य विभाग ने आग लगने के बाद आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी। प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने अस्पताल में आग और उसके परिणामों पर चर्चा करने के लिए कुछ कैबिनेट मंत्रियों और सुरक्षा कमांडरों के साथ एक आपातकालीन बैठक की संसद अध्यक्ष मोहम्मद अल-हलबौसी ने ट्वीट किया कि मंगलवार को होने वाले सत्र में इस घटना पर चर्चा होगी। अप्रैल में, एक विस्फोटित ऑक्सीजन टैंक ने राजधानी बगदाद के एक अस्पताल में आग लगा दी जिसमें कम से कम 82 लोग मारे गए थे। उस आग के बाद स्वास्थ्य मंत्री हसन अल-तमीमी ने इस्तीफा दे दिया था। कोरोनोवायरस महामारी ने इराक की स्वास्थ्य सेवा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जो पहले से ही युद्ध, उपेक्षा और भ्रष्टाचार से पीड़ित है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार, इराक में 14 लाख कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं और कोरोनवायरस से 17,000 से अधिक मौतें हुई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि देश ने अपने लगभग 4 करोड़ नागरिकों में से केवल 10 लाख को कोविड के खिलाफ एक टीके की खुराक दी है।

परमाणु वार्ता निष्कर्ष के करीब विएना : ईरान

तेहरान (एजेंसी)।

ईरानी सरकार के एक अधिकारी ने कहा है कि विएना साल 2015 के परमाणु समझौते के पुनरुद्धार पर वार्ता के अपने निष्कर्ष के करीब है, जिसे आधिकारिक तौर पर संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खतीबजादेह ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, हाल में हुई बातचीत में जो प्रगति हुई है, उसे देखते हुए हम कह सकते हैं कि हम विएना वार्ता के समापन के करीब हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि अभी भी कुछ अनसुलझे मुद्दे हैं, लेकिन जो मायने रखता है वह यह है कि सुलझे हुए मुद्दों का वजन अनसुलझे मुद्दों से अधिक है। इस बातचीत की शुरूआत अप्रैल में हुई थी। अनसुलझे मुद्दों से निपटने के लिए एक लंबा रास्ता तय किया गया। हालांकि खतीबजादेह ने कहा, बाकी बचा रास्ता आसान नहीं है। उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद है कि अन्य पार्टियां अपने फैसले खुद ले सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप समझौता सभी को लाभ पहुंचाने वाला होगा। खतीबजादेह ने बताया कि ईरानी अधिकारी सर्वसम्मति से जिस पर सहमत हैं वह यह है कि वाशिंगटन को प्रतिबंधों को प्रभावी ढंग से हटा देना चाहिए और फिर जैसे ही सौदे के पूर्ण कार्यान्वयन की पुष्टि हो जाएगी तब ईरान अपने दायित्वों को फिर से शुरू कर देगा।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के लिए नए कोविड सहायता पैकेज की घोषणा

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स सरकार (एनएसडब्ल्यू) ने मंगलवार को मौजूदा कोविड लॉकडाउन के बीच राज्य भर के व्यवसायों और लोगों की मदद करने के उद्देश्य से 5 बिलियन डॉलर से अधिक के आर्थिक सहायता पैकेज की घोषणा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबद्धता ए 5.1 बिलियन डॉलर तक होगी, जिसमें व्यापार और कर्मचारी सहायता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में राष्ट्रमंडल से मिला धन शामिल है। दो सप्ताह पहले घोषित व्यापार अनुदान कार्यक्रम का विस्तार किया गया है और पात्र व्यवसायों के लिए ए डॉलर 7,500 और ए डॉलर 15,000 के बीच अनुदान उपलब्ध है। एनएसडब्ल्यू द्वारा संघीय सरकार के साथ मिलकर वितरित किए जाने वाले एक नए व्यवसाय और कर्मचारी सहायता कार्यक्रम के साथ हजारों कर्मचारियों की सुरक्षा भी की जाएगी। आवासीय किरायेदारों को लक्षित बेदखली अधिस्थगन के साथ अधिक सुरक्षा मिलेगी, और आवासीय मकान मालिक जो प्रभावित किरायेदारों के लिए किराए में कमी करते हैं, वे अपनी परिस्थितियों के आधार पर अनुदान या भूमि कर कटौती के लिए आवेदन कर सकते हैं। एनएसडब्ल्यू प्रीमियर ग्लेडिस बेरेजिकेलियन ने कहा कि पैकेज के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं इनमें व्यापार की रक्षा करना, लॉकडाउन के माध्यम से नौकरियों को बचाना और रखना, और अनिश्चित और कठिन समय के दौरान लोगों का समर्थन सुनिश्चित करना शामिल है। बेरेजिकेलियन ने कहा, हमारे स्वास्थ्य और चिकित्सा कर्मचारी कोविड -19 को अग्रिम पंक्ति में लड़ रहे हैं, इस व्यापक सहायता पैकेज का उद्देश्य नौकरियों को बचाने और व्यवसायों की रक्षा करना है जब तक कि लॉकडाउन समाप्त नहीं हो जाता है। फंड का उपयोग सूक्ष्म व्यवसायों, प्रदर्शन कला, आवास और मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए भी किया जाएगा।

सीनेट ने डीएचएस साइबर एजेंसी प्रमुख के लिए जेन ईस्टरली के नाम की पुष्टि की

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी सीनेट ने सर्वसम्मति से राष्ट्रपति जो बाइडेन की पसंद के जेन ईस्टरली को होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) की साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचा सुरक्षा एजेंसी (सीआईएसए) के निदेशक के रूप में चुनने की पुष्टि की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को इसे सीनेट की मंजूरी ऐसे समय पर मिली है, जब प्रशासन पर रैंसमवेयर हमलों की एक सीरीज पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए दबाव बढ़ गया है, जिन्हें लेकर विशेषज्ञों और खुफिया अधिकारियों ने रूसी हैकरों पर आरोप लगाया है। जेन ईस्टरली नवंबर 2018 में इसके निर्माण के बाद से सीआईएसए का नेतृत्व करने वाले दूसरे सीनेट द्वारा पुष्टि किए गए निदेशक हैं। ईस्टरली ने पहले राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी में आतंकवाद निरोध के लिए डिप्टी के रूप में कार्य किया है और वह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के तहत व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में आतंकवाद विरोधी खेमे के वरिष्ठ निदेशक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। इससे पहले कि सीनेट ने सर्वसम्मति से ईस्टरली के नामांकन को मंजूरी दी, सीनेटर गैरी पीटर्स, मिशिगन डेमोक्रा, जो सीनेट होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंट अफेयर्स कमेटी की अध्यक्षता करते हैं, उन्होंने निराशा व्यक्त की कि नामांकित व्यक्ति, जिसे पिछले महीने उसकी पुष्टिकरण सुनवाई के माध्यम से रवाना किया था, उसकी पुष्टि पहले नहीं की गई थी। ईस्टरली की पुष्टि में देरी के लिए रिपब्लिकन की आलोचना करते हुए, पीटर्स ने नेशन स्टेट एक्टर्स और आपराधिक संगठनों द्वारा अमेरिका के अथक लक्ष्यीकरण पर प्रकाश डाला, जो अब और उस समय के बीच जारी रहा, जब सीनेट ने चार जुलाई की छुट्टी के लिए इसे स्थगित कर दिया था। फ्लोरिडा के रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने 23 जून को ईस्टरली की पुष्टि पर एक प्रस्तावित सर्वसम्मत सहमति मत को अवरुद्ध कर दिया था। उन्होंने यह तर्क दिया था कि दो दिन बाद हुई उप राष्ट्रपति कमला हैरिस की यूएस-मेक्सिको सीमा की यात्रा के बाद तक मतदान में देरी होनी चाहिए। पीटर्स ने सोमवार को अपनी टिप्पणी में इस महीने की शुरूआत में सॉफ्टवेयर समूह कासिया पर रैंसमवेयर हमले की ओर इशारा किया, जिसने दुनिया भर में 1,500 व्यवसायों को प्रभावित किया है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने हमले के लिए रूस से जुड़े साइबर क्रिमिनल ग्रुप रीविल को जिम्मेदार ठहराया है, जिसके बारे में फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने कहा था कि मई में मीट उत्पादक जेबीएस यूएसए पर रैंसमवेयर हमले के पीछे भी यही था। 2018 में स्थापित, सीआईएसए सरकारी एजेंसियों और निजी क्षेत्र के संगठनों दोनों को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए साइबर सुरक्षा खतरों से बचाव में मदद करने के लिए जिम्मेदार है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ज्वैलर्स की दुकान में लूट का निष्फल प्रयास, व्यापारी की हिम्मत देख दूम दबाकर भागे लुटेरे

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के पांडेसरा क्षेत्र में तीन शख्सों ने तमंचे की नोक पर ज्वैलर्स की दुकान लूटने का प्रयास किया। लेकिन दुकान मालिक की हिम्मत देख तीनों लुटेरे अलग अलग दिशा में दूम दबाकर भाग निकले। जानकारी के मुताबिक दोपहर के वक्तमोटर साइकिल पर तीन नकाबपोश शख्स सूरत के पांडेसरा क्षेत्र स्थित जय अंबे ज्वैलर्स में ग्राहक बनकर घुसे थे। दुकान मालिक से चांदी की रिंग बताने को कहा। मालिक ने चांदी की रिंग निकाल कर उन्हें दिखा दी। बदमाशों ने एक रिंग पसंद की और उसका भावताल करने के बाद एक के बाद एक शख्स दुकान के बाहर चला गया। दुकान में वापस लौटे

एक युवक ने कट्टा निकाला, दूसरे चाकू और तीसरे शख्स ने दुकान मालिक का कॉलर पकड़ लिया और कहा कि जितनी भी ज्वैलरी सभी एक डिब्बे में रख दे। अचानक इस घटना से स्तब्ध व्यापारी ने हिम्मत नहीं हारी और कट्टा दिखाने वाले समेत दो शख्सों को पछाड़ दिया। दुकानदार की हिम्मत देख तीनों शख्स अलग अल दिशा में फरार हो गए। व्यापारी दुकान के बाहर आया और चीखने चिल्लाने लगा, जिसे सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। घटना के बारे में पता चला तो लुटेरों को पकड़ने का प्रयास भी किया। लेकिन एक भी लुटेरे हाथ नहीं लगा। खबर मिलते ही पांडेसरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और सीसीटीवी फूटेज के आधार पर फरार शख्सों की तलाश शुरूकर दी।

भारी से अतिभारी बारिश

गुजरात के ज्यादातर जिलों में तीन दिन अतिभारी बारिश का अनुमान

क्रांति समय दैनिक

गुजरात में कई दिनों के विराम के बाद रविवार से बरसात ने फिर एक बार जमावट की है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य के ज्यादातर जिलों में तीन दिन भारी से अतिभारी बारिश होने का अनुमान है। सूरत, नवसारी, वलसाड, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ और दमण दीव में अतिभारी बारिश हो सकती है। वहीं खेडा, अहमदाबाद, आणंद, पंचमहल, दाहोद, महीसागर, वडोदरा, छोटाउदेपुर, नर्मदा, भरुच, डांग, नर्मदा और तापी में भारी बारिश होने की संभावना है। कल सूरत, नवसारी, वलसाड, राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, द्वारका, गिर सोमनाथ और दीव में अतिभारी बारिश हो सकती है। जबकि उत्तरी गुजरात के पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद, अरवल्ली, नर्मदा, भरुच, डांग, कच्छ, अमरेली, बोटाद और भावनगर में भारी बारिश होगी। गुरुवार को भी राज्य में बरसाती माहौल बरकरार रहेगा और पोरबंदर, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, कच्छ, दीव में अतिभारी तथा बनासकांठा, साबरकांठा, खेडा, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, छोटाउदेपुर, सूरत, तापी, नवसारी और वलसाड में भारी हो सकती है। मौसम विभाग ने सौराष्ट्र-कच्छ के कई इलाकों में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दक्षिण गुजरात पर बने लो-प्रेशर के चलते 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे रफ्तार से हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। ऐसे में अमरेली का जाफराबाद, गिर सोमनाथ के वेरावल और कच्छ के कंडला बंदरगाह पर तीन नंबर का खतरे का सिग्नल लगाया गया है। साथ ही प्रशासन ने मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी है। इस बीच अमरेली के जाफराबाद के समुद्र में करंट दिख रहा है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिसे देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट हो गया है और तटीय क्षेत्र के लोगों को सतर्क कर दिया है।

भाजपा सरकार की अन्य योजनाओं की तरह सी प्लेन सेवा की हवा निकली : मोढवाडिया

क्रांति समय दैनिक

गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट सी प्लेन सर्विस को लेकर सवाल उठाए हैं। मोढवाडिया ने कहा कि भाजपा सरकार की अन्य योजनाओं की तरह सी प्लेन सर्विस की भी हवा निकल चुकी है। जो 8 महीनों में 8 दिन भी नहीं चला और पिछले तीन महीनों से तो नजर भी नहीं आ रहा।उन्होंने कहा कि अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट से केवडिया के बीच नवंबर 2020 में सी प्लेन सर्विस शुरूकी गई थी। लेकिन यह सर्विस भी भाजपा सरकार की अन्य योजनाओं की तरह फ्लोप साबित हुई है। नवंबर 2020 में शुरूकी गई सी प्लेन सर्विस 8 महीने में 8 दिन भी नहीं चली। प्रति 10 दिन बाद उसे मेन्टनेंस के लिए भेज दिया जाता है। मेन्टनेंस के लिए आखिरी बार 9 अप्रैल को मालदीव भेजा गया था। आज तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सी प्लेन मालदीव से लौटा नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की अन्य योजनाओं की भांति बडे बड़े दावे कर शुरू की गई सी प्लेन सर्विस की भी हवा निकल चुकी है। 50 साल पुराने रजिस्ट्रेशन नंबर 8क्यू-आईएससी का सी प्लेन खरीदकर भाजपा सरकार ने पहले से इस प्रोजेक्ट को निष्फल बनाने की तैयारी कर ली थी। मोढवाडिया ने कहा कि कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान बगैर किसी आयोजन के लॉकडाउन लादकर लोगों का रोजगार-धंधे छीन लिए।

सार-समाचार

नाबालिग लड़की को होटल में ले जाकर दोस्तों ने किया दुष्कर्म

अहमदाबाद, शहर के चांदखेडा क्षेत्र की 16 वर्षीय एक नाबालिग लड़की को अडालज के होटल में ले जाकर दोस्तों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के चांदखेडा क्षेत्र में रहनेवाली 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को उसके दोस्तों ने 10 जुलाई की दोपहर ग्लोबल हाईस्कूल के निकट बुलाया था। हांलाकि लड़की के आने से इंकार करने पर डरा धमका कर उसे आने को मजबूर कर दिया। लड़की के आने पर तीन युवकों ने उसे कार में बिठाया और उसे लेकर अडालज की एक होटल में पहुंचे। जहां तीन में से दो युवकों ने लड़की के साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद युवकों ने लड़की की धमकी दी कि यदि उसने किसी को कुछ बताया वह उसे जान से मार देंगे। जिसके बाद देर रात लड़की को चांदखेड़ा छोड़कर तीनों युवक फरार हो गया। कई घंटों के बाद घर लौटी बेटी से मां-बाप ने इतने समय कहां रहने का सवाल किया तो उसने रोते-रोते आपबीती बयां कर दी। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर शैलेष भरवाड, विजय भरवाड समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

महंगाई जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जन संख्या नियंत्रण की बातें : कांग्रेस

गुजरात कांग्रेस ने जन संख्या नियंत्रण नीति पर प्रतिक्रिया व्यक्तकरते हुए कहा है कि मंदी, महंगाई और महामारी जैसे मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसी बातें की जा रही हैं। बता दें कि राज्य के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने जन संख्या नियंत्रण को लेकर स्पष्ट किया कि जरूरत होगी तब इस पर विचार किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि युवकों को रोजगार देना तो दूर जिनके पास रोजगार थे, उसे भी छीन लिया। देश का अर्थ तंत्र की हालत बद से बद्तर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में जन संख्या नियंत्रण पर वर्षों से काम किया जा रह है। लोगों की रहनी करनी और विभिन्न भाषा के बावजूद देश प्रगति करता रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव निकट आते ही भाजपा ने धर्म के नाम पर नौटंकी शुरूकर दी है। ऐसी नौटंकी के बजाए भाजपा सरकार को बद्तर हो चुकी शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। मनीष दोशी ने कहा कि गुजरात विधानसभा में जब यह विषय आएगा तब कांग्रेस उसका अध्ययन कर फैसला करेगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साफ्टवेयर इंजीनियर युवक-युवती हनीट्रेप में फंसाकर कर रहे थे उगाही

नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवक सॉफ्टवेयर युवती व एमबीए डिग्री धारक युवक के साथ कारोबारी आदि बड़े लोगों को हनीट्रेप में फंसाकर उनसे उगाही करने में लगा हुआ था। आरोपी टिंडर एप के जरिए लोगों को हनीट्रेप में फंसाते थे और फिर उनसे उगाही करते थे। पैसे नहीं देने पर अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देते थे। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने साफ्टवेयर इंजीनियर युवक व युवती व उसके एमबीए डिग्री होल्डर व्यवसायी साथी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अभी तक 100 से ज्यादा लोगों को हनीट्रेप में फंसाकर उनसे उगाही कर चुके हैं। अपराध शाखा डीसीपी मनोज सी के अनुसार टूल्स बनाने वाली फैक्टरी के मालिक ने उससे एक करोड़ रुपये ऐंठने की शिकायत अपराध शाखा में दर्ज कराई थी। पीड़ित कारोबारी ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसकी अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर कोई उससे एक करोड़ रुपये मांग रहा था। मामला दर्जकर एसीपी अरविंद कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर दिनेश कुमार, इंस्पेक्टर अरूण सिंघू की टीम ने जांच शुरू की। जांच के बाद एसआई अर्जुन सिंह व एसआई रजनीश कुमार की टीम ने डीएलएफ-2 गुरूग्राम से सॉफ्टवेयर इंजीनियार राजकिशोर को गिरफ्तार कर लिया। उसेस पूछताछ के बाद पुलिस टीम ने सेक्टर-67 गुरुग्राम में दबिश देकर युवती और छत्तरपुर एंक्लेव-दो, दिल्ली में दबिश देकर उसके साथी आर्यन दीक्षित(28) को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से स्पाई कैमरे लगे हुए दो हैंडबैग, मेमोरी कार्ड, यूएसबी पेन ड्राइवर, लैपटॉप, काफी संख्या में पीड़ित लोगों की अश्लील वीडियो-फोटो और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर राजकिशोर सिंह(31) वर्ष 2012 में बिहार से दिल्ली

आया था। ये कनॉट प्लेस थाने में छेड़छाड़ व धमकी देने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। ऐशोआराम की जिंदगी जीने के लिए ये गलत संगत में पड़ गया। इसने गुरुग्राम मे स्पा खोला। इसमें ये लड़कियों को भर्ती करने लगा। इसके शौक बढ़ते चले गए तो ये हनीट्रेप में लोगों को फंसाकर उगाही करने लगा। इसके आरोपी साथी आर्यन दीक्षित ने नोएडा से एमबीए किया हुआ है। इसका फिलहाल ऑनलाइन गारमेंट्स का व्यवसाय है। ये एक महिला दोस्त के जरिए राजकिशोर से मिला था। गुरुग्राम निवासी युवती भी सॉफ्यवेयर इंजीनियर है और आर्यन की दोस्त है। वह नौकरी की तलाश कर रही थी तभी उसकी राजकिशोर से जान-पहचान हो गई। अपराध शाखा के पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी टिंडर एप पर दोस्ती का मैसेज डालते थे। जैसे ही कोई उनसे बात करता था तो युवती उससे दोस्ती करने लग जाती थी।

इसके बाद युवती पीड़ित को मिलने बुला लेती थी। युवती पीड़ित की अश्लील वीडियो बना लेती थी। कुछ समय बाद ये पीड़ित को फोन कर मोटी रकम मांगते थे। रकम नहीं देने पर ये पीड़ित की अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देते थे। पूछताछ में ये बात सामने आई है कि ये 100 से ज्यादा लोगों से उगाही कर चुके हैं। ये शुरू में एक करोड़ रुपये ही मांगते थे। बाद में पीड़ित जितना दे देता था उससे उतना ही ले लेते थे।

सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग करने वाला 'राम भक्त' हुआ गिरफ्तार

पटौदी की महापंचायत में दिए थे भड़काऊ भाषण

गुरुग्राम। पटौदी में चार जुलाई रविवार को लव जिहाद और धर्मांतरण को लेकर बुलाई गई एक महापंचायत में भड़काऊ भाषण देने वाले राम भक्त गोपाल को गुरुग्राम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राम भक्त को पुलिस द्वारा सोमवार कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। गोपाल पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के बाहर प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग करने का भी आरोप है। गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रविवार को विभिन्न धाराओं में पटौदी थाने में मामला दर्ज किया था। गांव जमालपुर निवासी दिनेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका खुद का कारोबार है। उन्होंने बताया कि चार जुलाई को पटौदी के रामलीला मैदान में महापंचायत का आयोजन हुआ था।

महापंचायत में गोपाल शर्मा उर्फ राम भक्त गोपाल ने भड़काऊ भाषण दिया था।

उनको आशंका है कि भड़काऊ भाषण से दंगे भड़क सकते हैं और कानून-व्यवस्था भी खराब हो सकती है। महापंचायत में उसका भाषण धार्मिक भावनओं को भड़काने वाला था। उसका भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शिकायत में आरोपी के सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे भड़काऊ भाषण की क्लिप का लिंक भी पुलिस को दिया गया है। गौरतलब है कि चार जुलाई को पटौदी के रामलीला मैदान में लव जिहाद और धर्मांतरण को लेकर महापंचायत हुई थी। महापंचायत में सैकड़ों लोग मौजूद थे और दिल्ली-एनसीआर से भी काफी लोग शामिल होने के लिए आए थे। हरियाणा भाजपा के प्रवक्ता और करणी सेना के अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू ने भाग लिया था। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने बताया कि आरोपी राम भक्त गोपाल को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। राम भक्त गोपाल वही युवक है जिसने 2020 में जामिया मिलिया इस्लामिया में सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के एक समूह पर पिस्तौल तान दी थी, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया था। उसके खिलाफ आईपीसी के विभिन्न प्रावधानों जिनमें धारा 153 ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 295 ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों का इरादा) शामिल है। किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

ग्रेनो वेस्ट में महिला मैनेजर से चेन लूटी, नीचे गिराया

नोएडा। गौर सिटी सोसाइटी के गेट के समीप सोमवार रात बाइक सवार दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। मैनेजर ने विरोध किया तो एक बदमाश ने उन्हें धक्का देकर नीचे गिरा दिया और फरार हो गए। महिला मैनेजर के पति ने इस मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की है। गौर सिटी सोसाइटी में उत्कर्ष कुमार मिश्रा परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी सोनम एक मैट्रिमोनियल साइट में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार रात लगभग 8:30 बजे उनकी पत्नी सोनम घरेलू सहायक के साथ खरीदारी करने के लिए निकली थीं। जब वह गौर सिटी वन सोसाइटी के पास पहुंची तो बाइक सवार दो बदमाश उनके पास आकर रुके और बाइक पर पीछे बैठे एक बदमाश ने उनके गले से सोने की चेन तोड़ ली। विरोध करने पर बदमाश ने सोनम को धक्का देकर नीचे गिरा दिया। इसके बाद बदमाश बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। घटना की सूचना पर

महिला के उत्कर्ष मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। बिसरख कोतवाली की पुलिस सोसाइटी के गेट पर लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। इसके अलावा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की भी फुटेज खंगाले जा रही है। जिससे कि बदमाशों की पहचान की जा सके। बिसरख कोतवाली प्रभारी अनीता चौहान ने बताया की पुलिस की टीम लुटेरों की तलाश में जुटी है। लुटेरों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

नोएडा: बिजली कटौती सुधारने के लिए रिपोर्ट बन रही

नोएडा। जिले में बिजली बिजली कटौती सुधारने के लिए तैयारी शुरू हो गई है। बिजली ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर जिले के शहरी और देहात में बने 640 फीडरों की हर घंटे की रिपोर्ट तैयार हो रही है। यदि किसी फीडर पर एक घंटे से अधिक बिजली कटौती है तो उसका बाकायदा कारण अफसरों को लिखना पड़ रहा है। जिले में शहर में 569 फीडर हैं। देहात में फीडर की संख्या 71 हैं। शासन ने अब फीडरों की ही मॉनिटरिंग शुरू कर दी है।

प्रत्येक फीडर की 6-6 घंटे की बिजली मॉनिटरिंग की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। उसमें देखा जा रहा है कि प्रति घंटे बिजली कटौती की स्थिति क्या है? यदि किसी पूरे घंटे बिजली कटौती हो रही है तो अधिकारी उसका कारण भी लिखित में दे रहे हैं। विभाग के एक अफसर के अनुसार, रिपोर्ट सीधी बिजली निगम अध्यक्ष की चेयर पर रखी जा रही है। खराब बिजली आपूर्ति वाले क्षेत्रों में उसी के बाद ही कार्रवाई की जा रही हैं। चीफ इंजीनियर बीएन सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश मिले हैं। हर घंटे बिजली कटौती के हिसाब से फीडरवार रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजी जा रही है। सेक्टर 11, 15, 19, 20, 22, 25, 27, 29, 34, 36, 40, 41, 42, 43, 51, 52, 56, 60 समेत करीब 40 सेक्टर की रिपोर्ट तैयार हो रही है। किसी सेक्टर में यदि 15 मिनट से आधे घंटे भी बिजली जा रही है तो उसका पूरा ब्यौरा लिखा जा रहा है। चीफ इंजीनियर बीएन सिंह ने बताया कि बिजली सुधार करने के लिए ही बिजली कटौती की पूरी रिपोर्ट तैयार हो रही है।

कोरोना की थर्ड वेव की आशंका, नोएडा चाइल्ड पीजीआई में एक महीने बाद आया पहला केस

नोएडा। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका के बीच नोएडा के चाइल्ड पीजीआई में कोविड-19 संक्रमित एक 4 साल के बच्चे को भर्ती किया गया है। पिछले एक महीने से चाइल्ड पीजीआई में कोई भी संक्रमित भर्ती नहीं हुआ था। वहीं, गौतमबुद्धनगर जिले में कोरोना के एक्टिव केसों की रफ्तार भी एक बार फिर से बढ़ रही है। यहां अब तक 63,122 लोग संक्रमित हो चुके हैं। कोरोना के एक्टिव केस के मामले में दो जुलाई को गौतमबुद्धनगर जिला प्रदेश में 32वें नंबर पर पहुंच गया था और यहां पर सिर्फ 22 एक्टिव केस ही बचे थे, लेकिन 11 जुलाई का यह जिला फिर से टॉप टेन सूची में शामिल हो गया। गौतमबुद्धनगर में सक्रिय केसों की संख्या 47 पहुंचने

के साथ ही प्रदेश में आठवें नंबर पर पहुंच गया। जुलाई माह में 65 केस, मई में आए थे 17,891 : कोरोना संक्रमण को लेकर यदि हम मई से तुलना करें तो जून में संक्रमण की रफ्तार काफी कम रही है। जुलाई के बीते 12 दिनों में कोरोना के 65 नए केस सामने आए हैं, जबकि मई में कोरोना के 17,891 नए केस सामने आए और 224 लोगों की मौत हो गई। जून में कोरोना के 699 नए केस सामने आए हैं और 16 लोगों की मौत हुई है। नोएडा सेक्टर-39 स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से सोमवार को दस्तक अभियान की शुरूआत की गई। प्रशिक्षित टीमें घर-घर पहुंचकर बुखार, टीबी, कुपोषण, फाइलेरिया आदि मौसमी बीमारियों के मरीजों की खोज करेंगी। सीएमओ डॉ. दीपक ओहरी ने बताया कि मौसमी बीमारियों के मरीजों की खोज के लिए अभियान शुरू किया है। इसमें आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर घरों के बाहर स्टीकर लगाएंगी।

जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि इसके अंतर्गत कुपोषित बच्चों एवं रोगों के लक्षणयुक्त व्यक्तियों का चिन्हीकरण कर सूचीबद्ध करेंगे। मुख्य रूप से बुखार, इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस, टीबी व कुपोषित बच्चों पर ध्यान दिया गया है। एक हफ्ते से ज्यादा बुखार या खांसी वाले लोगों तथा कुपोषित बच्चों एवं फाइलेरिया पर विशेष ध्यान होगा। कुपोषित बच्चों की सूची पुष्टाहार विभाग को सौंपी जाएगी।

शादीशुदा महिला को अगवा कर नौ दिन तक किया गैंगरेप, नशे का इंजेक्शन देकर करते थे हैवानियत

गुरुग्राम। एक शादीशुदा महिला का अपहरण कर उसे नौ दिनों तक एक कमरे में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान नशे का इंजेक्शन लगाकर बेहोशी की हालत में चार लोगों द्वारा उसके साथ गैंगरेप किया गया। गैंगरेप के आरोपी इन चार दोस्तों ने उसका वीडियो भी बना लिया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर महिला की पिटाई भी की गई। आरोपी महिला को नशे की हालत में फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में छोड़कर फरार हो गए। वहां से महिला ने अपने घर फोन किया। देवर के आने पर वह अपने घर पहुंची। स्वास्थ्य में सुधार होने पर रविवार को पुलिस को घटनाक्रम के बारे में बताया। पुलिस ने महिला की शिकायत पर रविवार को सोहना सदर थाने में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी

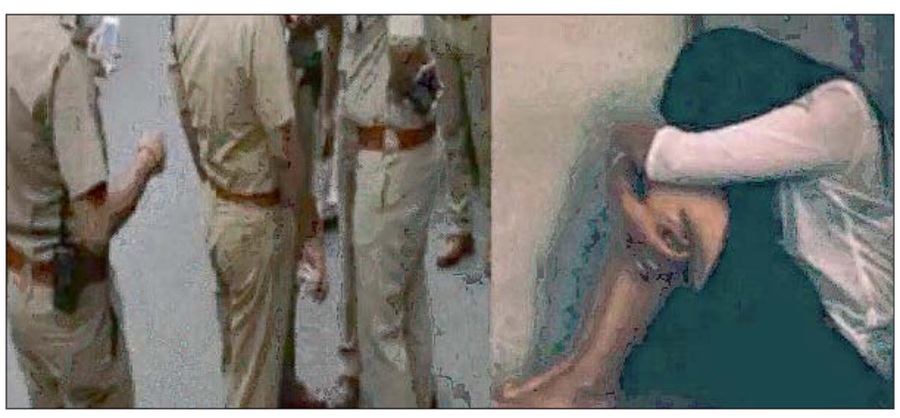

है। अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मूलरूप से सोहना के एक गांव की रहने वाली 22 वर्षीय महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 29 जून को घर के पास पानी भरने के लिए गई थी। इस दौरान उसका एक परिचित मिला। चिंटू नामक उस परिचित ने 30 जून को किसी काम से मिलने के लिए बुलाया। सुबह पांच बजे मंदिर के पास मिलने पहुंचने पर एक सफेद रंग की कार आई। कार को दीपक चला रहा था और पीछे संजू बैठा हुआ था। सभी ने जबर्दस्ती उसे कार में बैठा लिया और कार फरीदाबाद की तरफ लेकर चल दिए। महिला का आरोप है कि कुछ देर बाद प्यास लगने पर जब उसने पानी मांगा तो आरोपी युवकों ने पानी में कुछ मिलाकर दिया था। उसके बाद वह बेहोश हो गई। जब महिला को होश आया तो वह एक मकान के कमरे में थी। कमरे में शराब की बोतलें रखी हुई थीं। महिला ने पुलिस पूछताछ में बताया कि 30 जून रात को कुलदीप नामक युवक भी कमरे पर आ गया। उसके बाद चारों दोस्तों ने मिलकर उसके साथ गैंगरेप करना शुरू किया। कुलदीप ने उसके हाथ में इंजेक्शन लगाया और वह बेहोश हो गई। फिर उसको कोई जानकारी नहीं कि उसके साथ क्या हुआ। सुबह जब होश आया तो कमरे पर सिर्फ संजू और दीपक दिखे। रात को चिंटू और कुलदीप आते थे। महिला ने बताया कि रोजाना सभी आरोपी उसको इंजेक्शन और गोलियां खिलाने के बाद गैंगरेप करते। नौ दिन तक यही सिलसिला चलता रहा। महिला के मुताबिक, आरोपियों ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। उसने बताया कि रेप के दौरान आरोपी युवक उसको पिस्तौल दिखाते थे। विरोध करने पर बेरहमी से पिटाई करते थे। आरोपियों ने मोबाइल से उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। रेप के दौरान उसको धमकी दी जाती थी कि अगर किसी को बताया तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। पति का फोन आने पर आरोपी उसे गन प्वाइंट पर लेकर ठीक होने की बात कहलवाते थे। चारों आरोपियों ने नौ दिनों तक उसके साथ गैंगरेप किया। आठ जुलाई को सुबह आरोपी महिला को नशे की हालत में बल्लभगढ़ बस स्टैंड पर छोड़कर फरार हो गए। वहां से महिला ने अपने देवर को फोन किया और उसके बाद वह महिला को बस स्टैंड पर लेने के लिए पहुंचा। वहां से वह उसे घर पर लेकर गया और स्वास्थ्य में सुधार होने पर पुलिस को शिकायत दी। एसीपी संदीप मलिक ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

शांति समिति की बैठक में आपसी सद्भाव की अपील

बिलासपुर। दनकौर कोतवाली एरिया की बिलासपुर पुलिस चौकी परिसर में मंगलवार को आगामी त्योहार (ईद पर्व) को देखते हुए शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों लोग चौकी परिसर में उपस्थित हुए। इस बैठक में एसीपी ब्रजनंदन राय व दनकौर कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर अरविंद पाठक कुमार भी मौजूद रहे । इस बैठक के मौके पर एसीपी ब्रजनंदन राय ने कहा कि आगामी त्योहारों को भाईचारे के साथ मनाएं ताकि एक सौहार्दपूर्ण माहौल बन सके। उन्होंने लोगो से लोगों से शांति व आपसी भाईचारा बनाने की अपील की।साथ ही उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस का खतरा अभी टला नहीं है। सभी लोग मास्क का प्रयोग करें और 2 गज की दूरी बनाए रखें तथा सभी लोग कोविड प्रोटोकॉल के नियमो का पूणतया पालन करे। ताकि जिले में कोरोना का संक्रमण न फैले।वही इस दौरान कोतवाली प्रभारी अरविंद पाठक ने कहा कि शांति व सद्भाव बनाए रखकर ही अमन चैन कायम रखा जा सकता है । क्षेत्र के विकास और लोगों की खुशहाली के लिए अपराध मुक्त वातावरण बहुत जरूरी है जिसके लिए जन सहयोग अति आवश्यक है ।साथ ही उन्होंने कहा कि हर तरफ पुलिस की नजर है किंतु समाज के सभी वर्गों का दायित्व है कि वह प्रशासन के साथ सामंजस्य बनाए रखें। कि वे हर छोटी-बड़ी घटना की जानकारी पुलिस को दें ।इस बैठक के मौके पर बिलासपुर चौकी प्रभारी अजीत सिंह , सतपाल भाटी,शरीफ सैफी, सुबोध सभासद,हाफिज अफजल,साबिर ,अरशद खा, डॉ सफी ,नसीर सलमानी,सरवन ,अनुपम तायल,सोनू,बुन्दू, छोटू ,सौरभ गोयल,शिवम, मौलाना इलयास,विकास गोयल,इस्लाम,सचिन गोयल आदि लोग मौजूद रहे।

युवक को गोली मारने वाले दो गिरफ्तार

दनकौर। खेरली हाफीजपुर गांव में संपत्ति के विवाद में युवक की हत्या करने वाले चार आरोपियों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्यारोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा, कारतूस और कार बरामद की है। दनकौर पुलिस के अनुसार गिरफ्तार हत्यारोपी विनोद खारी निवासी गांव तिलपता ग्रेटर नोएडा और अमित मावी निवासी बिलासपुर है। संदीप और हत्याआरोपियों के बीच संपत्ति को लेकर रविवार को झगड़ा हुआ था। झगड़े में हुई छीना-झपटी में एक हत्यारोपी से तमंचा चल गया और संदीप की गर्दन में गोली जा लगी। इस संबंध में मृतक के पिता उदय वीर ने दनकौर कोतवाली में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

प्रॉपर्टी डीलिंग कर रहा 12 वर्ष से फरार सजायाफ्ता गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। कुएं में फेंककर पिता की हत्या और बेटे के अपहरण के केस में उम्रकैद की सजा काट रहा आरोपी पैरोल पर छूटने के बाद फरार हो गया था। करीब 12 वर्ष तक वह नाम और हुलिया बदलकर गाजियाबाद की डिफेंस कॉलोनी में रहकर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहा था। रविवार को खेड़ी गांव निवासी राजेंद्र को सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फरारी के दौरान ही आरोपी ने संपत्ति और मकान बेच दी थी। पुलिस के मुताबिक शासन से पैरोल पर फरार चल रहे आरोपियों को तलाशकर गिरफ्तारी के आदेश जारी किए गए थे। इसी मामले में 12 साल से फरार चल रहे राजेंद्र की तलाश शुरू की गई थी। खेड़ी गांव के राजेंद्र ने 1981 में अपने भाइयों नरपत और रिचपाल के साथ मिलकर पैसों के लेनदेन के मामले में सुनार रतीराम वर्मा की कुएं में फेंक कर हत्या कर दी थी और उसके बेटे का अपहरण कर लिया था। अदालत ने आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। वर्ष 2009 में अभियुक्त खेड़ी गांव का राजेंद्र पैरोल पर जेल से बाहर आया। पैरोल पर ही आरोपी ने खेड़ी गांव का मकान आदि समस्त चल अचल संपत्ति बेच दी और पत्नी के साथ फरार हो गया। आरोपी ने फरारी की योजन बनाकर औने-पौने दाम में संपत्ति बेची थी। रविवार को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी को गाजियाबाद के टीला मोड़ डिफेंस कॉलोनी से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी डिफेंस कॉलोनी में पत्नी के साथ रह रहा था। दोनों की कोई संतान नहीं है। आरोपी ने गाजियाबाद में प्रॉपर्टी डीलिंग शुरू कर दी थी और मास्टर के नाम से पहचान बना ली थी। आरोपी को वहां राजेंद्र नाम से कोई नहीं पहचानता था। पुलिस ने सोमवार को आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेजा है।

25 करोड़ की चोरी का मुख्य आरोपी तमंचे के साथ दिल्ली में गिरफ्तार

नोएडा। जिले की सबसे बड़ी चोरी के मामले में मुख्य आरोपी गोपाल को दिल्ली पुलिस ने तमंचा रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को दिल्ली की जगतपुरी थाना पुलिस ने उसे दबोच लिया। गोपाल के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस की टीम दिल्ली रवाना हो गई। नोएडा पुलिस के

वरिष्ठ अधिकारी दिल्ली पुलिस के आला अफसरों के साथ लगातार संपर्क में हैं। नोएडा पुलिस की तीन टीम गोपाल की तलाश में जुटी हुई थी। इससे पहले ही कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस ने इस मामले में जिन 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनमें पांच को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। मालूम हो कि कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस ने 11 जून को जनपद की सबसे बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए करोड़ों की जूलरी और नकदी बरामद करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसमें आरोपियों ने पूछताछ में बताया था कि उन लोगों ने मास्टरमाइंड गोपाल के साथ अगस्त 2020 में ग्रेटर नोएडा के पूर्वांचल सिल्वर सिटी सोसाइटी में चोरी की थी। पूछताछ में पता चला था कि रममणि पांडेय के इस फ्लैट में ब्लैक मनी रखी हुई था। इस कारण 2020 में चोरी की घटना के बाद पुलिस से शिकायत नहीं की गई थी। शाहदरा जोन की जगतपुरी पुलिस ने जैसे ही मास्टमाइंड गोपाल को गिरफ्तार किया तो कुछ देर के बाद ही इसकी सूचना नोएडा पुलिस को लग गई। इसके बाद नोएडा के वरिष्ठ अधिकारियों ने शाहदरा के डीसीपी से बात की और 25 करोड़ रुपये की चोरी मामले में गोपाल के वांछित होने के जानकारी दी। इसके बाद दोनों राज्य की पुलिस अधिकारियों के बीच कई बार बातचीत हुई। इस मामले में अब नोएडा पुलिस के कमिश्नर और दिल्ली के कमिश्नर के बीच बातचीत होगी और गिरफ्तार आरोपी गोपाल को नोएडा लाने को लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नोएडा पुलिस अपनी लीगल सेल के साथ मिलकर आगे की कार्रवाई की तैयारी में जुट गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)